MPHIN/2021/83938

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः 41 | ग्वालियर, शुक्रवार 25 अक्टूबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में बोले पीएम मोदी

'भारत युद्ध नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति का समर्थन करता है'

कजान, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कहा कि भारत युद्ध नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति का समर्थन करता है। उन्होंने रूस–यूक्रेन संघर्ष को शांतिपूर्ण वार्ता के माध्यम से हल करने का आह्वान करते हुए एक स्पष्ट संदेश दिया। उन्होंने कहा, हम युद्ध नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति का समर्थन करते हैं। और जिस तरह हम कोविड जैसी चुनौती से मिलकर पार पा सके, उसी तरह हम निश्चित रूप से भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित, मजबूत और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए नए अवसर पैदा करने में सक्षम हैं। बता दें कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और

उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग समेत ब्रिक्स देशों के शीर्ष नेताओं ने भाग लिया।

पीएम मोदी ने आतंकवाद से निपटने का किया आह्वान

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद से निपटने के लिए ठोस वैश्विक प्रयासों की भी वकालत की और कहा कि इस खतरे से लड़ने में कोई दोहरा मापदंड नहीं होना चाहिए। आतंकवाद और आतंकी वित्तपोषण का मुकाबला करने के लिए हमें सभी के एकजुट और दृढ समर्थन की आवश्यकता है। इस गंभीर मामले में दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं है। हमें अपने देशों में युवाओं के कट्टरपंथीकरण को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, हमें संयुक्त राष्ट्र में अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक सम्मेलन के लंबे समय से लंबित मामले पर मिलकर काम करना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा, इसी तरह हमें साइबर सुरक्षा और सुरक्षित एआई के लिए वैश्विक नियमों पर काम करने की जरूरत है।

ब्रिक्स में नए देशों के स्वागत के लिए भारत तैयार

इस दौरान पीएम ने कहा कि भारत भागीदार देशों के रूप में ब्रिक्स में नए देशों का स्वागत करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, इस संबंध में सभी निर्णय आम सहमति से लिए जाने चाहिए और ब्रिक्स के संस्थापक सदस्यों के विचारों का सम्मान किया जाना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा, जोहान्सबर्ग शिखर सम्मेलन के दौरान अपनाए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों, मानकों, मानदंडों और प्रक्रियाओं का सभी सदस्यों और भागीदार देशों की तरफ से अनुपालन किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने इस दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अन्य वैश्विक निकायों में सुधार की भी वकालत की। उन्होंने कहा, हमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, बहुपक्षीय विकास बैंकों और विश्व व्यापार संगठन जैसे वैश्विक संस्थानों में सुधारों पर समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ना चाहिए। जब हम ब्रिक्स में अपने प्रयासों को आगे बढ़ाते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करने के लिए सावधान रहना चाहिए कि यह संगठन वैश्विक संस्थानों की जगह लेने की कोशिश करने वाले संगठन की छवि न बना ले।

बेंगलुरू में इमारत ढहने से 8 लोगों की मौत

● कुछ अभी भी फंसे, इमारत मालिक गिरफ्तार

बेंगलुरु, एजेंसी। उत्तरी बेंगलुरु में एक निर्माणाधीन इमारत ढहने से आठ लोगों की मौत हो गई और 13 लोगों को बचा लिया गया। अधिकारियों को आशंका है कि मलबे में अभी भी कुछ लोग फंसे हुए हैं। पुलिस ने इमारत के मालिक मुनिराजू रेड्डी को गिरफ्तार कर लिया है और उन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। यह घटना शहर के हेन्नुर इलाके में बाबूसापल्या नामक इलाके में भारी बारिश के बीच हुई। हालांकि सूत्रों ने कहा कि इमारत गिरने का कारण बारिश नहीं, बल्कि घटिया सामग्री और घटिया निर्माण था। सीसीटीवी फुटेज में सात मंजिला इमारत के ढहने का दृश्य कैद हुआ है। सूत्रों ने यह भी संकेत दिया कि इमारत के पास केवल चार मंजिलों के लिए

अनुमति थी, और निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ। सूत्रों के अनुसार, इमारत के लिए पिलर रॉड 28–30 मिमी मोटी होनी चाहिए थी, लेकिन इस्तेमाल की गई रॉड की मोटाई केवल 18–20 मिमी थी। अन्य हिस्सों में जैसे मोल्डिंग के लिए जहां 14–16 मिमी मोटी रॉड का इस्तेमाल किया जाना चाहिए था, ऐसी संभावना है कि इस्तेमाल की गई रॉड केवल 8–10 मिमी मोटी थी। उन्होंने कहा कि यह भी संभावना है कि निर्माण में सीमेंट की आवश्यकता से कम और रेत का अधिक इस्तेमाल किया गया था। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इसके साथ ही हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या अब बढ़कर 8 हो गई है।

राजस्थान में बस–ट्रौले की टक्कर में तीन लोगों की मौत, 47 घायल

जयपुर एजेंसी। राजस्थान में कोटपुतली क्षेत्र में दिल्ली जयपुर राष्ट्रीय मार्ग पर बुधवार को बस और ट्रौले की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गयी तथा 47 अन्य घायल हो गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार अजमेर से दिल्ली जा रही स्लीपर बस सुबह करीब पांच बजे कोटपुतली में कंपरपुरा के पास ट्रौला से टकरा गयी। इससे बस में सवार करीब 50 लोग घायल हो गये। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से घायलों को नजदीक के राजकीय बीडीएम अस्पताल पहुंचाया, जहां तीन लोगों की मौत हो गयी। गंभीर रूप से घायल हुए लोगों को बेहतर इलाज के लिए जयपुर भेजा गया है। घटना के बाद ट्रौला चालक मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर जिला कलेक्टर और पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंच गये। उधर हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि सड़क हादसे में कई लोगों की हुई असमय मृत्यु अत्यंत दुखद है। इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। उन्होंने कहा, 'ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि वे दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उनके परिजनों को इस असीम पीड़ा को सहन करने की शक्ति दें। इस घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।'

वाराणसी में साइबर अपराधियों ने वृद्धा से ठगे 32 लाख रूपये

वाराणसी एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में डिजिटल अरेस्ट करके एक वृद्ध महिला ने लाखों रुपये की ठगी कर ली गई। साइबर ठगों ने लालपुर पांडेयपुर थाना क्षेत्र के चंद्रा रेजिडेंसी हुकुलगंज में रहने वाली 67 साल की नीना कौर को 24 घंटे डिजिटल अरेस्ट करके 32 लाख 40 हजार रुपये की ठगी की। साइबर ठगों ने उनको व्हाट्सएप के जरिए गिरफ्तारी वारंट आदि भी भेजा था। इस मामले में साइबर क्राइम थाना में मुकदमा दर्ज कराया गया है। नीना कौर ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि गत दिनों 15 अक्टूबर की दोपहर उनके मोबाइल पर व्हाट्सएप वीडियो कॉल आई। कॉल करने वाला पुलिस की वर्दी पहने था। उसने खुद को मुंबई के अंधेरी पुलिस स्टेशन का अधिकारी सुनील कुमार बताया। कहा कि नीना कौर के नाम से अवैध पार्सल कुरियर के जरिए सिंगापुर भेजा गया है। उसमें नशीला पदार्थ, फर्जी पासपोर्ट व एटीएम कार्ड हैं। कुरियर को देश की सुरक्षा एजेंसियों ने पकड़ लिया है। इस मामले की जांच करने पर उनका नाम सामने आया है। उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। उसने गिरफ्तारी वारंट आदी भेजकर दो दिनों में मुंबई पहुंचने का आदेश देते हुए कहा कि इस मामले में उनकी गिरफ्तार की जाएगी। इसके बाद कथित सीबीआई अधिकारी अनिल यादव से बात करने को कहा और कॉल ट्रांसफर कर दी। अनिल ने नीना को चेतावनी दिया कि इस मामले में किसी परिचित को जानकारी दी तो उनको जान को खतरा हो सकता है। साथ ही गिरफ्तार से बचने के लिए संपत्ति की जानकारी दी। नीना ने उसे अपने फ्लैट, कार व भारतीय स्टेट बैंक के होटल डी पेरिस कैंटोनमेंट ब्रांच में 32 लाख 40 हजार रुपये होने की जानकारी दी। इस सीबीआई अधिकारी बने अनिल ने अदालत से गिरफ्तारी रोकने के लिए बैंक खातों में रखे रुपये जांच के लिए उसके बताए बैंक खाते में ट्रांसफर करने को कहा। पुलिस अधिकारी बनकर काल करने वाले उनकी बातों से डरकर नीना अपने बैंक गई। वहां से बताए गए बैंक खातों में आरटीजीएस के माध्यम से 32 लाख 40 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिया। थोड़ी देर बाद उनके मोबाइल पर ट्रांजैक्शन फेल होने का मैसेज आया। इसके बाद पुलिस अधिकारी बने साइबर ठगों ने नीना को कॉल करके खूब डराया–धमकाया और दोबारा रुपये भेजने के लिए दूसरा बैंक खाता बताया। उनके बताए अनुसार नीना फिर से बैंक गई और रुपये ट्रांसफर कर दिया।

प्रियंका गांधी ने वायनाड से भरा उपचुनाव के लिए नामांकन

● सोनिया गांधी–राहुल गांधी भी रहे मौजूद

वायनाड एजेंसी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने बुधवार को पार्टी के शीर्ष नेताओं की मौजूदगी में केरल के वायनाड उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। प्रियंका गांधी के नामांकन दाखिल करने के मौके पर सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे। प्रियंका ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में वायनाड संसदीय उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया है। इसी के साथ एक्टिव राजनीति में सीधे तौर पर प्रियंका गांधी की एंट्री हो गई है। नामांकन दाखिल करने के दौरान कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, रॉबर्ट वाड्रा, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और कई अन्य नेता भी मौजूद थे। उन्होंने कलपेट्टा स्थित जिला कलेक्टर कार्यालय

में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन से पहले राहुल गांधी और प्रियंका ने केरल के कलपेट्टा शहर में एक रोड शो किया है। इस दौरान उन्होंने एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। इस रैली में प्रियंका गांधी ने कठिन समय में अपने भाई का समर्थन करने के लिए वायनाड के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रियंका गांधी ने रैली के दौरान कहा, ''इन मूल्यों (सत्य और अहिंसा) ने मेरे भाई को प्रेम और एकता के लिए भारत भर में 8000 किलोमीटर पैदल चलने के लिए प्रेरित किया. .. वह आपके समर्थन के बिना ऐसा नहीं कर सकता था.. आप मेरे भाई के साथ तब खड़ी रहीं, जब पूरी दुनिया उनसे मुंह मोड़ रही थी... आपने उन्हें लड़ते रहने की ताकत और हिम्मत दी... मेरा पूरा परिवार हमेशा आपका ऋणी और आभारी रहेगा.. मुझे पता है कि उन्हें आपको छोड़ना पड़ा और मैं वादा करती हूं कि मैं आपके और उनके बीच के बंधन को और मजबूत करूंगी...'राहुल गांधी ने वायनाड के लोगों से अपनी बहन पर भरोसा जताने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि वह उनकी आवाज बनेंगी। उन्होंने कहा, "मेरे हाथ में मेरी बहन द्वारा बनाई गई राखी है और मैं इसे तब तक नहीं उतारता जब तक यह टूट न जाए।

बेंगलुरु में भारी बारिश के पूर्वानुमान के बीच स्कूल, आंगनबाड़ी बंद

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु में भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर बुधवार को स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रहे। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे में बेंगलुरु में 23.6 मिलीमीटर बारिश हुई है। शहर में आज आमतौर पर बादल छाए रहने और मध्यम बारिश/ गरज के साथ बूंदाबांदी का पूर्वानुमान है। दिन में भारी बारिश भी हो सकती है। कर्नाटक सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), जैव प्रौद्योगिकी (बीटी), इलेक्ट्रॉनिक तथा निजी कंपनियों को बुधवार को अपने कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति देने का सुझाव दिया। आईटी–बीटी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की ओर से जारी परामर्श के अनुसार "येलो अलर्ट तथा संभावित खराब मौसम के मद्देनजर हम आईटी, बीटी तथा निजी कंपनियों के कर्मचारियों की सुरक्षा व हित को प्राथमिकता देते हैं।'' 'येलो अलर्ट' में छह से 11 सेंटीमीटर बारिश होने की संभावना होती है।

यूपी के सरकारी कर्मचारियों को दिवाली पर खुशखबरी

योगी सरकार ने बोनस देने का किया एलान

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने दिवाली से पहले कर्मचारियों को बड़ा तोहफा देने का ऐलान किया है। योगी सरकार ने ऐलान किया है कि दिवाली के मौके पर पूर्णकालिक अराजपत्रित राज्य कर्मचारियों, राज्य निधि से सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं, स्थानीय निकायों, जिला पंचायतों और राजकीय विभागों के कार्य प्रभारित अधिष्ठान के

कर्मचारियों व दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को बोनस दिया जाएगा। सीएम ने आधिकारिक एक्स हैंडल से एक पोस्ट भी किया है। यूपी सरकार ने सीएम योगी के एक्स हैंडल से बोनस दिए जाने का ऐलान किया। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा कि UPCM @myogiadityanath ने प्रदेश के पूर्णकालिक अराजपत्रित राज्य कर्मचारियों, राज्य निधि से सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं, स्थानीय निकायों, जिला पंचायतों और राजकीय विभागों के कार्य प्रभारित अधिष्ठान के कर्मचारियों तथा दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को वर्ष 2023–2024 के लिए बोनस प्रदान करने का सहर्ष निर्णय लिया है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने जया शेट्टी हत्याकांड में गैंगस्टर छोटा राजन को जमानत दी

मुंबई एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को 2001 में होटल व्यवसायी जया शेट्टी की हत्या के मामले में गैंगस्टर छोटा राजन की आजीवन कारावास की सजा को निलंबित कर दिया और उसे जमानत दे दी।

जस्टिस रेवती मोहिते ढेरे और पृथ्वीराज चव्हाण की खंडपीठ ने राजन को 1 लाख रुपये का बॉन्ड भरने का आदेश दिया। इस फैसले के बावजूद, राजन अन्य आपराधिक मामलों में शामिल होने के कारण जेल में है। शेट्टी की हत्या की साजिश रचने के आरोप में एक विशेष अदालत ने मई 2023 में राजन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। उसने हाईकोर्ट में अपनी सजा को निलंबित करने और प्रोबेशन की मांग की। 2001 में, राजन के गिरोह के दो सदस्यों ने सेंट्रल मुंबई में गोल्डन क्राउन होटल के मालिक शेट्टी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। जांच में पता चला कि शेट्टी को गैंगस्टर हेमंत पुजारी से जबरन वसूली की धमकियां मिली थीं और पैसे न देने पर उसकी हत्या कर दी गई। राजन, जो वर्तमान में 2011 में पत्रकार जे डे की हत्या के लिए आजीवन कारावास की सजा काट रहा है, दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। राजन दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है, जहाँ वह 2011 में पत्रकार जे डे की हत्या के लिए आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। उस पर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत जबरन वसूली और कई आपराधिक मामलों में संलिप्तता सहित कई आरोप हैं। जया शेट्टी हत्याकांड में तीन अन्य सह–आरोपियों को दोषी ठहराया गया, जबकि एक को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया।

राज्यों को हर तरह की शराब पर कर लगाने का अधिकार : शीर्ष न्यायालय

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने राज्यों के राजस्व की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए हर प्रकार की शराब पर कर लगाने के उनके अधिकार को बरकरार रखा है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने इस मामले में बुधवार को 8:1 के बहुमत से यह फैसला सुनाया और सात न्यायाधीशों की पीठ के पहले के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें व्यवस्था दी गयी थी कि औद्योगिक अल्कोहल के उत्पादन के नियंत्रण का अधिकार केंद्र सरकार को है। इस मामले को नव न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष वर्ष 2010 में रखा गया था। राज्यों के अधिकार के पक्ष में फैसला देने वाले न्यायमूर्ति चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति ह्रषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति अभय एस ओका, न्यायमूर्ति जे बी पार्दीवाला, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा, न्यायमूर्ति

उज्जवल भुयान, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने कहा कि औद्योगिक कार्यों में इस्तेमाल होने वाली अल्कोहल राज्य सूची की प्रविष्टि 08 के तहत स्मादक स्प्रिटश के अर्थ में आती है, इसलिए राज्य इसे विनियमित कर सकते हैं और कर लगा सकते हैं। पीठ ने बहुमत के फैसले में कहा कि औद्योगिक शराब और उसे तैयार करने वाले कच्चे माल सहित सभी प्रकार की शराब पर कर लगाने का अधिकार राज्यों को है। शीर्ष अदालत का यह फैसला राज्य सरकारों के राजस्व में बड़ी वृद्धि करने वाला है। दूसरी ओर न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने पीठ के अन्य सदस्यों के फैसले से असहमतिपूर्ण निर्णय दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि प्रविष्टि 08 के तहत मादक स्प्रिट (लिकर) को पीने योग्य शराब तक सीमित नहीं किया जा सकता। संविधान की सातवीं अनुसूची की 52वीं प्रविष्टि में संसद को उन उद्योगों के सम्बन्ध में कानून बनाने का अधिकार दिया गया है जो लोक हित में उचित हो। पीठ ने कहा कि दोनों प्रविष्टियों के बीच कहीं–कहीं दोहराव (ओवरलैप) हो सकता है और इस तरह के परस्पर अतिक्रमण का समाधान यह है कि दोनों प्रविष्टियों को समायोजित किया जाए ताकि दोनों अनुसूचियों की कोई भी प्रविष्टि निरर्थक न हो। शीर्ष अदालत की सात सदस्यीय पीठ ने 1990 के निर्णय में कहा था कि प्रविष्टि 08 के तहत मादक स्प्रिट का अर्थ केवल पीने योग्य शराब से है और राज्य सरकारें औद्योगिक एल्कोहल पर कर नहीं लगा सकती हैं। न्यायालय की नौ सदस्यीय पीठ ने उस फैसले को पलट दिया। पीठ ने कहा कि राज्य सूची की प्रविष्टि 8 में राज्य को "मादक लिकर के उत्पादन, निर्माण, पास में रखना, लाना–ले जाना, खरीद और बिक्री" के लिए कानून बनाने का अधिकार दिया गया है।

दतिया सिटी कोतवाली पुलिस की जुआरियों के विरुद्ध की जा रही लगातार बड़ी कार्यवाही टी आई धीरेंद्र मिश्रा का अपराधियों में तक मचान हड़कंप

थाना कोतवाली पुलिस ने जुआ के फड पर दबिश देकर 1,01,200 /- रुपये नगदी जप्त की

संदीप प्रधान उप संपादक
पुष्पांजलि टुडे की रिपोर्ट

रिसाला मंदिर, खलकापुरा से 08 जुआरियों को गिरफ्तार कर प्रकरण पंजीबद्ध किया। पुलिस अधीक्षक श्री वीरेन्द्र मिश्रा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सुनील शिवहरे के मार्गदर्शन में एवं एसडीओपी सुश्री प्रियंका मिश्रा के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान मे अवैध जुआ सट्टा के विरुद्ध कार्यवाही मे 08 आरोपीगण से कुल 1,01,200/- रुपये नगदी व एक तास की गड्डी जप्त की गई।दिनांक 23.10.2024 को जरिए मुखबिर सूचना मिली कि रिसाला मंदिर खलकापुरा दतिया के पास कुछ लोग तास पत्तो से रुपयो का दाव लगाकर हार जीत का जुआ खेल रहे है। मुखबिर की सूचना से फोर्स के साथ मुखबिर के बताए स्थान रिसाला मंदिर खलकापुरा के पास पहुंचकर दबिश दी गई तो

आरोपीगण को पकड़ा गया नाम पता पूछने पर अपना नाम सन्तोष पिता भगवानदास पटवा उम्र 25 साल नि बडापुरा दतिया , जितेन्द्र साहू पिता गोविन्ददास साहू उम्र 31 साल नि भदौरिय की खिडकी दतिया,असलम खान पिता मामुरे खान उम्र 25 साल नि भदौरिया की खिडकी दतिया, राजू खान पिता सकूर खान उम्र 45 साल नि साहनी मोहल्ला दतिया, रविरजक पिता भगवानदास रजक उम्र 35 साल नि भदौरिया की खिडकी दतिया,कमलकिशोर साहू उर्फ पिन्टू साहू पिता गोविन्ददास साहू उम्र 45 साल नि संतकवरराम कालोनी दतिया, राकेस पिता रामदास शाक्य उम्र 45 साल नि बडापुरा भदौरिया की खिडकी दतिया व छोटू बाल्मीक पिता विनोद बाल्मीक उम्र 25 साल नि खलकापुरा दतिया का होना बताया उक्त आरोपीगण के सामने फड से कुल 1,01,200 /- रु. व एक तास की गड्डी 52 पत्तो की जप्त की गई।उपरोक्त कार्यवाही में निरी.धीरेंद्र मिश्रा,प्रआर.739 बृजमोहन उपाध्याय,प्रआर.195 शिवगोविन्द चौबे,आर.698 रविन्द्र यादव , आर.348 दीपक शुक्ला , आर.778 देवेश शर्मा , आर.429 सतेन्द्र सिकरवार , आर.607 हेमन्त , आर.298 रविन्द्र यादव,आर.711 धर्मेन्द्र शर्मा एवं उनकी टीम की सराहनीय भूमिका रही।

सरकारी हैंडपम्प पर दवंगौ का कब्जा लोग पानी के लिये हो रहे परेशान शिकायत के बाद भी नहीं हुई सुनवाई

राजीव श्रीवास्तव रिपोर्टर
पुष्पांजली टुडे

गोरमी- गोरमी क्षेत्र की ग्राम पंचायत हरीक्षा के ग्राम ग?ी में कुछ दवंगौ ने सरकारी हैंडपंप पर कब्जा कर रखा है। दवंगौ ने सरकारी हैंडपंप में मोटर डालकर लोगो को अपनी दबंगई दिखा रहा है। सार्वजनिक हैंडपंप का निजी उपयोग किया जा रहा है। इस कारण अन्य ग्रामीणों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। इस संबंध में ग्रामीण कई बार प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं। उसके बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।गौरतलब है कि दबंग परिवार

हैंडपंप के पानी का उपयोग निजी तौर पर करता है। परिवार के लोग हैंडपंप से पानी अन्य ग्रामीणों को नहीं भरने देते हैं। ग्रामीणों को पानी के लिए एक किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। जिसके कारण ग्रामीण काफी परेशान है। जिसकी शिकायत ग्रामीणों सीएम हेल्पलाइन पर भी की थी। शिकायत के बाद अब-तक विभागीय अधिकारियों के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। हैंडपंप में अभी दबंग परिवार का कब्जा बना हुआ है। जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या का समाधान नहीं किया जाता है तो ग्रामीण आंदोलन करेंगे।

नेमवि के 8 संस्कृत शोध छात्र/छात्राओं को महामहिम राज्यपाल ने प्रदान की डाक्टरेट उपाधि

मानसी यादव को स्वर्ण पदक एवं वर्षा सिंह गौर को मिला रजत पदक

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट
पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी में आयोजित 29वें दीक्षान्त समारोह में नेहरू महाविद्यालय ललितपुर की छात्रा मानसी यादव को एम.ए. संस्कृत में विश्वविद्यालय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर महामहिम राज्यपाल महोदया द्वारा दो स्वर्ण पदक प्राप्त कर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय की छात्रा वर्षा सिंह गौर विश्वविद्यालय झाँसी में एम.ए. हिन्दी में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही नेहरू महाविद्यालय ललितपुर बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी में आयोजित दीक्षान्त समारोह में संस्कृत विभाग नेहरू महाविद्यालय ललितपुर संस्कृत शोध केन्द्र के शोध छात्र/छात्राएं डॉ श्रीमती नेहा मिश्रा, डॉ सुरेन्द्र प्रताप पटेल, डा अमरेन्द्र सिंह पटेल, डा विनय कुमार तिवारी, डॉ मंजीत कुमार वर्मा, डॉ श्रीमती प्रतिभा त्रिपाठी, डा श्रीमती आदर्श ज्योति को महामहिम राज्यपाल महोदया श्रीमती आनन्दीबेन पटेल द्वारा दीक्षान्त समारोह में पी-एच डी (डाक्टरेट) की उपाधि प्रदान की गयी।

इस मौके पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान करते हुए संस्कृत शोध केन्द्र के निर्देशक एवं नेमवि में प्राचार्य प्रो ओमप्रकाश शास्त्री ने कहा कि भारत देश की संस्कृति संस्कार एवं ज्ञान राशि को सदियों से संरक्षित करने वाली संस्कृत भाषा के माध्यम से राष्ट्र एवं समाज की सेवा करे एवं आदर्श शिक्षक बने।नेमवि के प्रबंधक प्रदीप चोबे ने सभी छात्र/छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनायें प्रदान करते हुए कहा कि महाविद्यालय की ओर से सफलता प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को समारोह आयोजित कर सम्मानित किया जायेगा एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी।प्रबंध समिति के अध्यक्ष शरद खैरा, उपाध्यक्ष विलास पटैरिया, उप मंत्री हरदयाल सिंह लोधी सहित सभी वरिष्ठ सदस्यों ने छात्र/छात्राओं को शुभकामनायें प्रदान की। छात्र/छात्राओं को महाविद्यालय आगमन पर प्रो. आशा साहू, प्रो. अनिल सूर्यवंशी, श्रीमती अनीता, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. रौशन कुमार सिंह, डॉ. शैलेन्द्र सिंह चैहान, डॉ. दीपक पाठक, डॉ. प्रीति सिरौठिया, डॉ. सुधाकर उपाध्याय, डॉ. रामकुमार रिछारिया, फहीम बख्श, विवेक पाराशर, हरी प्रसाद आदि ने बधाई देते शुभकामनायें प्रदान की है।

रामलीला महोत्सव में श्री नीलकण्ठेश्वर आदर्श मंडल समिति ने किया पत्रकारों को सम्मानित

पुष्पांजलि टुडे ललितपुर अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट

पाली।- दिपावली से पहले भगवान राम की कथा का चित्ररण राम लीला के माध्यम से होता है। पाली में श्री नीलकण्ठेश्वर आदर्श मंडल समिति प्रत्येक वर्ष राम लीला का आयोजन कराती है।श्री नीलकण्ठेश्वर आदर्श मंडल रामलीला समिति की ओर से आयोजित रामलीला में कल रात सीता हरण, रावण और जटायु का मंचन किया गया।रामलीला से पूर्व आयोजन समिति द्वारा हरिओम चौरसिया, प्रियंक जैन, पुष्पेन्द्र साहू, हरगोविंद कुशवाहा,जगदीश राय मोनू को शाल श्रीफल भेंट देकर सम्मानित किया। समिति ने कहा कि पाली के पत्रकारों द्वारा जिस प्रकार रामलीला का कवरेज हर रोज कर रहे हैं वो बहुत ही सराहनीय कार्य है। तो वहीं पाली के सभी पत्रकारों ने रामलीला समिति पत्रों कलाकारों को बधाई दी एवं नगर की पुरानी परंपरा बनाए रखने के लिए समिति का आभार व्यक्त किया। आपको बता दे कि श्री नीलकण्ठेश्वर आदर्श मंडल समिति रामलीला की ओर से आयोजित रामलीला में रामलीला देखने वालों की भीड़ लगातार बढ़ रही है।आयोजक एवं समिति के अध्यक्ष एवं समिति के सभी सदस्य शासन प्रशासन और नगर व क्षेत्र के सहयोग से रामलीला का सफल आयोजन किया जा रहा है।इस दौरान रामलीला के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी लोग कार्यक्रम में अपनी अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

गांव के दबंग युवक ने महिला के साथ की मारपीट, युवा मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने की कार्यवाही की मांग

महिला गंभीर रूप से जिला अस्पताल में भर्ती, ग्राम प्रधान बना रहे महिला परिवार पर दवाब

पुष्पांजलि टुडे ललितपुर अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट

ललितपुर । पाली थाना अंतर्गत ग्राम बछलापुर में बुधवार की सुबह गांव के दबंगों द्वारा विधवा महिला के साथ हुई मारपीट को लेकर युवा मंच राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगदीश राय ने ललितपुर पुलिस अधीक्षक मोहम्मद मुस्ताक के नाम ज्ञापन पाली उपजिलाधिकारी सैय्यद सानिया सोनम एजाज को सौंपा। उपजिलाधिकारी को पूरी घटना के बारे अवगत कराते हुए गांव के दबंगों पर कार्यवाही कराने की मांग कर महिला की सुरक्षा की बात की। पुरा मामला ग्राम बछलापुर का है जहां पर गांव के दबंगों द्वारा गांव की एक विधवा

महिला के लात घूसों से मार-पीट कर थी। जब पीड़ित परिवार पाली थाना पहुंचा तो खाना पूर्ति के लिए पुलिस द्वारा मामूली धाराओं में दर्ज कर ली। तो वहीं गांव के प्रधान द्वारा महिला एवं परिजनों को कार्यवाही न करने के लिए दवाब बना रहे हैं। पाली पुलिस द्वारा डाक्टरी के महिला को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बिरधा भेजा गया जहां महिला की स्थिति बिगड़ते देख डॉक्टरों ने एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल भेज दिया है जहां महिला का इलाज चल रहा है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने घायल महिला से बात की तो बताया गया कि गांव के निवासी सचिन पुत्र गजराज ने कुआं पर पानी को लेकर गाली-गलौच की थी। जिसका विरोध करने पर सचिन और गजराज ने जमीन पर पटक पटक लात घूसों के साथ मार-पीट शुरू कर दी। घटनास्थल पर मौजूद लोगों द्वारा बचाया गया। दबंग लोग जान से मारने और गांव छोड़ने की दे रहे धमकी।

नाबालिक लड़की से छेड़खानी करने वाले आरोपी शिक्षामित्र को किया गिरफ्तार।

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट
पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

पुलिस अधीक्षक, ललितपुर मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक, जनपद ललितपुर अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी, तालबेहट कुलदीप कुमार के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में,थाना तालबेहट पुलिस द्वारा थाना तालबेहट पर मुकदमा पंजीकृत कर वांछित अभियुक्त डरूराम विश्वकर्मा (शिक्षामित्र) पुत्र हरप्रसाद उम्र करीब 58 वर्ष नि0 ग्राम मऊ, थाना तालबेहट जनपद ललितपुर को रेलवे स्टेशन तिराहा के पास कस्वा व थाना तालबेहट से नियमानुसार गिरफ्तार कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है।घटना का संक्षिप्त विवरण ड्ड वादी

जितेन्द्र कुशवाहा पुत्र भागीरथ निवासी ग्राम मुकटौरा थाना तालबेहट जनपद ललितपुर के द्वारा थाना तालबेहट में प्रार्थना-पत्र देकर अवगत कराया कि डरूराम विश्वकर्मा (शिक्षामित्र) पुत्र हरप्रसाद उम्र करीब 58 वर्ष नि0 ग्राम मऊ थाना तालबेहट जनपद ललितपुर के द्वारा वादी की नाबालिक पुत्री व अन्य नाबालिक बच्चियों के साथ छेड़छाड करना तथा जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में सूचना दी गई।

प्रार्थना-पत्र के आधार पर थाना तालबेहट में मुकदमा

-पंजीकृत किया गया था। प्रकरण की गंभीरता व संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए अभियुक्त डरुराम उपरोक्त की गिरफ्तारी हेतु क्षेत्राधिकारी तालबेहट के पर्यवेक्षण में 03 टीमें गठित की गई थीं।

जश्न – ए– मिलाद (जलसा) शाने गोसुलबरा रहमतुल्लाह अलैह 25 को

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कार्यक्रम के आयोजक जनाब इरशाद अहमद अध्यक्ष अल्पसंख्यक एकता विकास परिषद भिण्ड ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी ग्यारहवी शरीफ के इस मुबारक महीने में भिंड जिले के ग्राम रानी विरगवाँ मे हजरत दादावली रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह पर जश्न-ए-मीलाद शरीफ के जलसे का एहतमाम किया गया है। लिहाज़ा सभी हजरात से गुज़ारिश है,कि जलसे में शिरकत फरमाकर शबाबे-दारेत हासिल करें । कार्यक्रम 25 अक्टूबर 2024 दिन शुक्रवार (चाँद की तारीख 21 माहे रविउल आखिर),गुस्ल शरीफ सुबह 09-30 बजे,कुरान ख्वानी सुबह 10 बजे,मीलाद शरीफ सुबह 11 बजे,फातिहा ख्वानी दोपहर 02 बजे कार्यक्रम मुकाम (स्थान) - हजरत दादावली रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह ग्राम रानी विरगवाँ तहसील अटेर जिला भिण्ड (म.प्र.) में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक असलम वारसी हैं।

सूर्या रोशनी परिसर में लगाकर लगाया गया स्वास्थ्य परीक्षण शिविर 275 कर्मचारियो कि गई जांच

पुष्पांजली टुडे संवाददाता मालनपुर
पहलवान सिंह

मालनपुर उद्योग क्षेत्र स्थित सूर्या रोशनी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में गुरुवार को स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें ई एस आई हॉस्पिटल ग्वालियर से आई टीम द्वारा कर्मचारी व अधिकारियों के स्वास्थ्य की निशुल्क जांच की गई सूर्या रोशनी प्लांट डॉक्टर सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि ग्वालियर से ई एस आई टीम द्वारा बी पी शुगर कान नाक गला एवं मौसमी बीमारियों की जांच की गई और सैंपल लिए गए जिसमें कारखाने के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की निशुल्क जांच की गई की जांच की गई प्रशिक्षण में एच आर जी एम हेड मुकुल चतुर्वेदी ने कहा कि आजकल लोग मोबाइल का उपयोग ज्यादा करते हैं इस वजह से भी आंखों की रोशनी कम हो रही है एवं अनेकों प्रकार की बीमारियां भी उत्पन्न हो रही है इससे मैं सभी लोगों को यह सलाह देता हूं कि कम से कम मोबाइल का उपयोग करें शिविर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चला इस स्वास्थ्य शिविर में मौजूद रहे डॉ0 शिल्पा बुचके,मेडिसिन स्पेशलिस्ट ,डॉ0 शैलू अग्रवाल नाक कान गला एवं सामान्य चिकित्सक,डॉ0 कृष्ण पाल,ओ0पी0टी0 नेत्र रोग ,कुमारी रीना,नेत्र रोग सहायक, मनीश शर्मा एक्जीक्यूटिव ,श्रीमती इफत खान अफरीदी स्टाफ नर्स, जीतेन्द्र उचाडिया,नर्सिंग ऑफिसर पैथोलॉजी, रामकृपाल आदि स्टाफ मौजूद रहा

धौलपुर - बीना खंड की तीसरी लाइन के अलग अलग रेलखंडों के बीच 110 के स्थान पर अब 130 किलोमीटर प्रति घंटा के रफ्तार से दौड़ेगी ट्रेन

पंकज त्रिपाठी स्टेट हेड
दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर । मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा के कुशल मार्ग दर्शन में उत्तर मध्य रेलवे का झांसी मंडल यात्री सुविधाओं के साथ साथ अवसंरचना के कार्यों में निरंतर प्रगति के पथ पर है। इसी क्रम में ट्रेन की स्पीड बढ़ाने की दिशा में कार्य निरन्तर जारी है है। झांसी मंडल के धौलपुर बीना खंड में तीसरी लाइन का कार्य 312 किलोमीटर के रेलखंड में 46 किलोमीटर छो?कर पूरा कर लिया गया है। शेष खंडों पर तीसरी लाइन का काम तेजी से चल रहा है। रेल गाड़ी संचालित तीसरी लाइन के रेल खंडों में अभी अधिकतम 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। अब इस गति को बढ़ाकर 130 किलोमीटर प्रति घंटे किया जा रहा है।

तीसरी लाइन के धौलपुर - बीना खंड के बीच ग्वालियर - बानमोर 19.011 किलोमीटर,बानमोर - मुरैना 16.955 किलोमीटर, झांसी - बबीना खंड पर 24.186 किलोमीटर तथा बिजरोठा - जाखलौन खंड पर 45.944 किलोमीटर ट्रैक पर ट्रेन 130 किलोमीटर प्रति घंटा किया जा रहा है। पूर्व में इन सभी ट्रैक पर ट्रेन की रफ्तार 110 किलोमीटर प्रति घंटा रहती थी। ट्रेन की स्पीड में बढ़ोत्तरी से यात्रियों की समय की बचत होगी। ट्रैक पर ट्रेन संचालन की स्पीड बढ़ जाने से इस रूट से निकलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस,शताब्दी एक्सप्रेस और राजधानी एक्सप्रेस सहित सभी रेलगाड़ियों को फायदा होगा। इसके साथ ही मालगाड़ी तथा अन्य सुपरफास्ट और एक्सप्रेस गाड़ियों का भी समयबद्ध और सुचारु संचालन संभव हो सकेगा।मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा ने बताया कि रेलगाड़ियों की गति बढ़ाने के संबंध में रेल संरक्षा आयुक्त से वैधानिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। शीघ्र ही इसका अनुपालन कर उपरोक्त खंडों पर ट्रेनों की गति 130 किलोमीटर प्रति घंटा कर दी जाएगी।

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में जनपद मथुरा के छाता विकासखंड के सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई,

जिसको संबोधित करते हुए खंड विकास अधिकारी छाता नरेश कुमार ने कहा कि स्वच्छ जल और स्वच्छता को अपनाकर हम बहुत सारी बीमारियों को दूर भगा सकते हैं। ऐसे में भारत सरकार का जल जीवन मिशन कार्यक्रम बहुत ही महत्वपूर्ण एवं सराहनीय है, इसके माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति को सुगम तरीके से 55 लीटर पानी उपलब्ध होगा, लेकिन साथ ही साथ हमें जल बचाने के लिए भी संकल्पित होना होगा, दूषित जल के सेवन के कारण व दूषित जल के एकत्र होने के कारण और अस्वच्छता की आदतों के कारण 70 से 80त्न बीमारियां होती हैं, और मानव की गाढ़ी कमाई चिकित्सा में खर्च हो जाती है,ऐसे में यदि हम स्वच्छ जल का उपयोग करें , और स्वच्छता की आदतों को अपना लें ,तो हम अपनी गाढ़ी कमाई का पैसा विकास के अन्य कार्यों में खर्च कर सकेंगे, उन्होंने कहा कि देश में प्रतिवर्ष 25 लाख बच्चे डायरिया जैसी बीमारी से प्रभावित होते हैं ,वहीं करोड़ों लोग कैंसर जैसी बीमारी से मौत के मुंह में समा जाते हैं, करीबन 6 करोड़ 77 लाख लोग जलजन बीमारियों से प्रत्येक वर्ष प्रभावित होते हैं ,और एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर जैसी बीमारियों से हो जाती है ,इनमें से बहुतायत बीमारियों का कारण दूषित पानी ही है,

संपादकीय

कच्ची उम्र का विवाह

यह किसी समाज के लिये बेहद नकारात्मक टिप्पणी है कि सदियों के प्रयास के बावजूद वहां बाल विवाह की कुप्रथा विद्यमान है। यहां यह विचारणीय तथ्य है कि समाज में ऐसी प्रतिगामी सोच क्यों पनपती है कि लोग परंपराओं को कानून से ऊपर समझने लगते हैं। हमें यह भी सोचना होगा कि कानून की कसौटी पर अस्वीकार्य होने के बावजूद बाल विवाह की परंपरा क्यों जारी है? यह हम सभी जानते हैं कि कम आयु के बच्चे अपने भविष्य के जीवन के बारे में परिपक्व फैसला लेने में सक्षम नहीं होते। साथ ही वे इस स्थिति में भी नहीं होते कि उनके जीवन पर थोपे जा रहे फैसले का मुखर विरोध कर सकें। उनके सामने आर्थिक स्वावलंबन का भी प्रश्न होता है। लेकिन अभिभावक क्यों इस मामले में दूरदृष्टि नहीं रखते? सही मायने में बाल विवाह बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ ही है। भले ही मजबूरी में वे इस थोपे हुए विवाह के लिये राजी हो जाएं, लेकिन उसकी कसक जीवन पर्यंत बनी रहती है। जो उनके स्वाभाविक विकास में एक बड़ी बाधा बन जाता है। इसको लेकर समाज में जागरूकता के प्रसार की जरूरत है ताकि बच्चे भी ऐसे किसी प्रयास का विरोध कर सकें। जिसमें बाल विवाह पर नियंत्रण करने वाले विभागों की जिम्मेदारी व सजगता बढ़ाने की भी जरूरत है। जिससे बाल विवाह का विरोध करने वाले किशोरों को भी संबल मिल सके। यही वजह है कि इस संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट को कड़ा रुख दिखाते हुए कहना पड़ा कि कानून परंपराओं से ऊपर है। कोर्ट का कथन तार्किक है कि जिन बच्चों की कम उम्र में शादी करा दी जाती है क्या वे इस मामले में तार्किक व परिपक्व सोच रखते हैं? एक संबंधित याचिका पर सुनवायी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह समय की मांग है कि इस कानून को लागू करने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाए। इस बाबत उन समुदायों व धर्मों के लोगों को बताया जाना चाहिए कि बाल विवाह कराया जाना एक आत्मघाती कदम है। यह समझना कठिन नहीं है कि कम उम्र में विवाह कालांतर जच्चा–बच्चा के स्वास्थ्य के लिये भी घातक साबित होता है। उनकी पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती और वे अपनी आकांक्षाओं का कैरियर भी नहीं बना सकते। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का कथन इस सामाजिक बुराई के उन्मूलन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। कोर्ट को कहना पड़ा कि बाल विवाह रोकथाम अधिनियम को व्यक्तिगत कानूनों के जरिये बाधित नहीं किया जा सकता। यद्यपि कोर्ट ने यह भी स्वीकार किया कि यह कानून संपूर्ण नहीं है और इससे जुड़ी कुछ कमियों को दूर करने की जरूरत है। जिसके निराकरण के लिये समन्वय का ध्यान रखने की जरूरत है। अदालत ने एक महत्वपूर्ण बात भी कही कि बच्चों पर बाल विवाह थोपना उनके अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का भी दमन है। निश्चय ही इस बाबत बदलाव लाने के लिये कानून में जरूरी बदलाव लाने के साथ ही समाज में जागरूकता लाने की भी जरूरत है।

गांदरबल हमले के बाद मोदी सरकार की जिम्मेदारी

डॉ. दीपक पाचपोर

गांदरबल जिले के गगनगीर इलाके में श्रीनगर–लेह नेशनल हाईवे पर जेड–मोड़ सुरंग बनाई जा रही है जो सोनमर्ग को सीधे लेह से जोड़गी। यह ऑल वेदर सुरंग केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है।

जम्मू–कश्मीर के गांदरबल जिले में रविवार को एक बड़ा आतंकी हमला हुआ, जिसमें कम से कम 7 लोग मारे गए हैं। मृतकों में प्रवासी मजदूरों समेत एक डॉक्टर शामिल हैं। आतंकियों ने इस बार उन नागरिकों को अपना निशाना बनाया है जो निर्माण कार्य में संलग्न थे। गांदरबल जिले के गगनगीर इलाके में श्रीनगर–लेह नेशनल हाईवे पर जेड–मोड़ सुरंग बनाई जा रही है जो सोनमर्ग को सीधे लेह से जोड़गी। यह ऑल वेदर सुरंग केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इस हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट यानी टीआरएफ ने ली है, जो लश्कर–ए–तैयबा का ही एक संगठन है। 2019 में अनुच्छेद 370 के खात्मे के बाद टीआरएफ ज्यादा सक्रिय हुआ। पहले इस आतंकी संगठन के निशाने पर अधिकतर कश्मीर पंडित रहते थे, लेकिन अब यह गैर कश्मीरियों और सिखों को निशाना बना रहा है। 2019 के बाद हुए कई हमलों की जिम्मेदारी लश्कर नहीं, बल्कि टीआरएफ लेता रहा है। टीआरएफ जिस तरह से कश्मीरी पंडितों, प्रवासी कामगारों, सरकारी अधिकारियों और सैन्य बलों को पिछले पांच सालों में निशाना बनाता रहा है, उससे जाहिर है कि उसके पीछे जो ताकतें खड़ी हैं, वे कश्मीर में किसी भी हाल में शांति नहीं चाहती हैं और न ही सामान्य जनजीवन देखना चाहती हैं। इसलिए इस बार गांदरबल इलाके में हमला किया गया, क्योंकि यह जम्मू–कश्मीर के नए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का निर्वाचन क्षेत्र है और जम्मू–कश्मीर के बाकी इलाकों की अपेक्षा शांत माना जाता रहा है। मगर अब यहां के लोगों में भी दहशत फैलाने की कोशिश की गई है। सुरंग के निर्माण कार्य में लगे लोग जब दिन भर के काम के बाद लौटे ही थे कि उन पर अंधाधुंध गोलियां बरसाई गईं। जाहिर है हमलावरों का मकसद जान–माल का भारी नुकसान पहुंचाना था। आतंकवादियों के मंसूबे जाहिर हो चुके हैं, अब केंद्र और राज्य सरकार को तय करना है कि वे इस मुश्किल घड़ी में किस तरह मिलकर काम करते हैं। 10 साल बाद ही सही, लेकिन जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनाव हुए और शांतिपूर्ण तरीके से हुए यह कश्मीर की जनता की बड़ी जीत है। आतंकियों के लिए यह करारा सबक है कि उनकी दहशतगर्दी लोकतांत्रिक भावनाओं को कुचल नहीं पा रही है और शायद इसलिए इस तरह का हमला किया गया है। केंद्र और राज्य की सत्ता पर बैठे लोगों ने फौरन इस हमले की कड़ी निंदा की है, लेकिन इसके साथ ही क्षुद्र राजनीति भी शुरु हो गई है। जैसे केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इस पर फौरन हिंदू–मुसलमान की राजनीति शुरु कर दी और कहा कि , श्मैं राहुल गांधी और फारुख अब्दुल्ला से पूछना चाहता हूं कि जब आतंकवादियों को समर्थन देने वाली सरकार हो तो ये घटना होना स्वाभाविक है। इनकी जुबान तो खुलेगी नहीं ये तो गजा के लिए ट्वीट करेंगे। ऐसे में हिंदू मारा गया है तो सरकार तो उन्हीं की है। मोरा सैय्या कोतवाल तो डर काहे का। गिरिराज सिंह का भले ही बिहार के बाहर कोई जनाधार नहीं हो, लेकिन वे मोदी सरकार में मंत्री हैं, इस नाते उनकी बात पर सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि इस बारे में वो अपना रुख भी स्पष्ट करे। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने तो हमले की निंदा करते हुए दोषियों को न बख्शने की बात कही है। लेकिन उन्हें यह भी बताना चाहिए कि क्या इस हमले में जिस तरह कांग्रेस और एनसी के नेताओं पर सवाल उठाए गए हैं, क्या वे उससे सहमत हैं। और अगर वे सहमत नहीं हैं तो फिर गिरिराज सिंह के बयान से भाजपा को खुद को अलग करके बताना चाहिए। क्योंकि जिस तरह गिरिराज सिंह ने इस मामले में हिंदुओं के मरने पर सवाल उठाया, उससे जाहिर है कि उन्होंने पूरी खबर जाने बिना ही फौरन राजनैतिक फायदे के लिए तथ्यहीन आरोप लगा दिए। इस आतंकी हमले के मृतकों में हिंदू, मुस्लिम, सिख सभी शामिल हैं। वैसे भी आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता और वह धर्म देखकर किसी को निशाने पर भी नहीं लेता। क्योंकि आतंकवादी केवल व्यवस्था को बिगाड़ कर अराजकता और दहशत फैलाना चाहते हैं। जम्मू–कश्मीर में व्यवस्था को पटरी पर आते देख यह हमला किया गया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस हमले पर अंग्रेजी में ट्वीट किया और इसमें उन्होंने मिलिटेंट शब्द का इस्तेमाल किया। अब इसी को लेकर उमर अब्दुल्ला को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है कि टेररिस्ट यानी आतंकी की जगह उन्होंने मिलिटेंट यानी उग्रवादी शब्द का इस्तेमाल किया। उमर अब्दुल्ला ने हाल ही में जम्मू–कश्मीर को पूर्ण राज्य बनाने का प्रस्ताव भी कैबिनेट से पारित करवाया है और उपराज्यपाल से इसकी मंजूरी भी मिल गई है, इस पर भी उन्हें आगाह किया जा रहा है कि पूर्ण राज्य बनाने का उनका सपना अधूरा रह सकता है। इस तरह की बातें न केवल संवेदनहीन और अदूरदर्शितापूर्ण हैं, बल्कि राज्य में शांति और स्थिरता कायम करने की कोशिशों में बाधा भी खड़ी करती हैं। जम्मू–कश्मीर में 10 साल बाद नयी सरकार को अभी व्यवस्था को संभालने और पटरी पर लाने में थोड़ा वक्त लग सकता है। ऐसे में केंद्र सरकार पर जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि जिस राज्य को पूर्ण राज्य से उसने केंद्र शासित राज्य में तब्दील कर दिया था और दावा किया था कि इससे विकास और शांति का मार्ग प्रशस्त होगा, वह दावा धरातल पर खरा उतरता दिखाई दे। 2016 में नोटबंदी के वक्त नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद पर रोक लगने की बात कही थी, फिर अनुच्छेद 370 की समाप्ति पर भी यही दावा था। अभी चुनाव प्रचार में श्री मोदी ने कहा था कि जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद आखिरी सांसें ले रहा है।

बहराइच का दंगा: यह हिंदू राज नहीं तो और क्या है?

राजेंद्र शर्मा

उत्तर प्रदेश में बहराइच जिले में महसी तहसील के तहत, हरदी थाना क्षेत्र के अंतर्गत, दुर्गा पूजा की मूर्तियों के विसर्जन के जुलूस में हुई हिंसा और उसके बाद के घटनाक्रम के संकेतों को ठीक इसीलिए रेखांकित किया जाना जरूरी है कि इसमें अब कुछ ऐसा नहीं रह गया है, जो वाकई हैरान करता हो। मूर्ति विसर्जन के जुलूस के नाम पर, जिस तरह अपने हिंदू होने का दिखावा करने वालों ने अपने भड़काने वाले आचरण से हिंसा भड़कायीय जिस तरह कथित मुस्लिम पक्ष की ओर से इस उकसावे का हिंसक जवाब दिया गयाय इसके बाद जिस तरह पहले कथित रूप से हिंदू भीड़ों ने आम तौर पर प्रशासन–पुलिस की शह पर मुस्लिम अल्पसंख्यकों के घरों, दूकानों, प्रतिष्ठङ्खनों आदि पर कहर बरपा कियाय और अंत में खुद शासन–प्रशासन ने आगे बढ़कर यह जिम्मा संभाल लियाय यह सब अब कम से कम भाजपा–शासित राज्यों में तो इतना जाना–पहचाना हो चुका है कि यह सब न हो तो ही हैरानी होगी। मसलन कोई महत्वपूर्ण हिंदू त्यौहार, जिसमें किसी भी प्रकार के जुलूस की गुंजाइश हो, अगर भाजपा की डबल–इंजनिया सरकारों के दायरे से और खासतौर पर ङ्क्षहदी पट्टी में ऐसी सभी सरकारों के दायरे से होकर शांति से गुजर जाए, तो ही हैरानी की बात होगी। फिर भी बहराइच में जो कुछ हुआ, उसमें भाजपायी राज में सामने आये इस फिनॉमिना के और आगे बढ़ने के कुछ तत्वों की निशानदेही करना निरर्थक नहीं होगा। बेशक, इसमें कुछ भी नया नहीं था कि जिद कर के मूर्ति विसर्जन का जुलूस मुस्लिम बहुल इलाके से ले जाया गया। जुलूस में, मुख्यमंत्री योगी के स्पष्टङ्घ आदेशों के बावजूद कि किसी जुलूस आदि में डीजे नहीं बजाया जाएगा, न सिर्फ डीजे बजाया गया बल्कि उस पर सांप्रदायिक रूप से भड़काने वाले गाने बजाए गए। और जैसे इस उकसावे को हिंसा के बिंदु तक बढ़ाने की नीयत से ही, ऐन मस्जिद के सामने रुक कर, हमलावर अंदाज में और भी भड़काने वाले गीतों के साथ, न सिर्फ डीजे बजाया गया बल्कि मस्जिद पर भीड़ से, अपमानित करने की ही नीयत से तरह–तरह की चीजें उछाली भी गयीं। यह दूसरी बात है कि मस्जिद का ऊपर का हिस्सा कपड़े से ढका हुआ होने के चलते, जो सावधानी अब भाजपा–शासित राज्यों में खुद पुलिस ने सुनिश्चित करानी शुरू कर दी है, मस्जिद को कम से कम दिखाई देने वाला कोई नुकसान नहीं पहुंचा। बहरहाल, बहराइच के मामले में यह किस्सा इतने पर ही खत्म नहीं हो गया। इस सब के बाद, जोकि जाहिर है कि पुलिस की काफी संख्या में मौजूदगी के बीच हो रहा था, जुलूस में शामिल उग्र तत्वों के हौसले और बढ़ गए। बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के अनुसार, इस भीड़ के बीच से एक युवक, जिसका नाम बाद में पता चला कि राम गोपाल मिश्र था, हाथ में भगवा झंडा लेकर एक घर की छत पर चढ़ गया, जहां पर हरे रंग का एक झंडा लगा हुआ था, जो यह घर किसी मुसलमान का होने का इशारा करता था। पहले उसने घर की छत पर लगी रेलिंग पर भगवा झंडा लगाने की कोशिश की। लेकिन, बाद में संभवतरू नीचे से भीड़ के उकसावे पर उसका ध्यान हरे झंडे ने खींच लिया और वह इस इस्लामी झंडे को खींचकर गिराने में लग गया, जिस क्रम में घर की छत पर लगी लोहे की रेलिंग भी गिर गयी। बाद में, जो कि जाहिर है कि ये सब वीडियो में दर्ज नहीं हुआ या दर्ज नहीं किया गया था, उसी छत पर मिश्र को गोली मार दी गयी, जिससे बहुत ज्यादा खून बहने से उसकी मौत भी हो गयी। मरने वाला गरीब परिवार से और सिर्फ 22 वर्ष का था। कुछ ही महीने पहले उसका विवाह हुआ था।जैसा कि होना ही था, यहां से आगे दंगा भड़क उठा। इसके बाद, मुस्लिमविरोधी हिंसा का जो सिलसिला शुरू हुआ, अगली सुबह तक उसने बहुत ही भयंकर रूप ले लिया। महाराजगंज बाइपास बाजार में लाठियों, डंडों तथा अन्य हथियारों से लैस हजारों लोगों की भीड़ ने, पुलिस को मूक दर्शक बनाते हुए, जमकर मुसलमानों के घरों, दूकानों तथा अन्य प्रतिष्ठङ्खानों पर आगजनी तथा तोड़फोड़ की, जो सामने पड़ा उसके साथ मार–पीट की और बताया जाता है कि महिलाओं के साथ बदसलूकी भी की। हालात इस कदर बेकाबू हो गए कि बाद में, सीधे मुख्यमंत्री के आदेश पर हालात पर काबू पाने के लिए, शीर्षस्थ पुलिस अधिकारियों को हाथ में पिस्तौल ताने, सड़कों पर उतरकर यह संदेश देना पड़ा कि अब, पुलिस भीड़ के साथ सख्ती करेगी। इसके बाद ही तीसरे दिन कहीं जाकर, हिंसा और आगजनी का यह सिलसिला थमा। बहरहाल, सांप्रदायिक हिंसा के इस विस्फोट के साथ ही साथ एक विस्फोट और हुआ, झूठ के प्रचार का। खासतौर पर युवक रामगोपाल मिश्र की दुरूखद मौत के गिर्द, भगवा झूठ प्रचार तंत्र ने झूठ का तूफान खड़ा कर दिया। तरह–तरह के झूठे दावों के साथ, इस दुरूखद मौत को अपर्याप्त मानते हुए, उसके साथ श्दरिंदगीश का भयानक आख्यान खड़ा किया गया। एक दावा अगर यातनाएं देने के लिए सारे नाखून उखाड़े जाने का था, तो एक और दावा चाकू के छत्तीस या ज्यादा घाव लगने का। एक और दावा सारा शरीर गोलियों से छलनी किए जाने का था।आंख निकाले जाने, पेट फाड़कर आंतें बाहर निकाल दिए जाने, आदि–आदि के दावे भी किए जा रहे थे। और यह सब बहुत ही संगठित तरीके से, सोशल मीडिया पर तथा वाट्स एप ग्रुपों के जरिए फैलाया जा रहा था, ताकि इसके तमाम साक्ष्यों को इस झूठ के गऋङ्खर के नीचे दबाया जा सके कि जुलूस में शामिल उग्र भीड़ की करतूतों ने ही, हिंसा भड़कायी थी। बेशक, बाद में पोस्टमार्टम की रिपोर्ट ने इन तमाम झूठे दावों को नकार भी दिया और यह साफ कर दिया कि एक गोली लगने और उसके चलते ज्यादा खून बहने से ही, इस युवक की मौत हुई थी। लेकिन, तब तक झूठ की मशीन तो जन–धारणा बनाने का अपना काम कर चुकी थी। जन–धारणा यही कि हिंदुओं के साथ मुसलमानों ने ज्यादती की थी! आम तौर पर हिंदू खतरे में हैं और यह भी कि हिंदू बटेंगे तो कटेंगे! जाहिर है कि इस आखिरी संदेश का एक अपेक्षाकृत तात्कालिक उपयोग भी है। यह उपयोग उत्तर प्रदेश में होने जा रहे नौ सीटों के महत्वपूर्ण उपचुनावों के लिए है, जिन्हें खुद भाजपा में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ पर विश्वास या अविश्वास का निर्णय करने वाला माना जा रहा है। कहने की जरूरत नहीं है कि बहराइच का संदेश सिर्फ बहराइच तक ही सीमित नहीं है बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश तक बल्कि उससे भी आगे तक जाता है। भगवा झूठ प्रचार तंत्र के इस तरह पूरी तरह से झूठा हिंदू खतरे में का आख्यान गढ़ने में, सत्ताधारी भाजपा के नेता भी कूद पड़े। इस मामले में खास मुस्तैदी दिखाई देवरिया से सत्ताधारी पार्टी के विधायक शलभमणि त्रिपाठी ने, जो मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के मीडिया सलाहकार रहे हैं और खुद टीवी पत्रिकारिता में रहे हैं। विधायक जी ने अपने ट्विटर हैंडल से बहराइच की घटनाओं की रिपोर्टिंग कर रहे पत्रकारों की उनकी धार्मिक संबद्घता को संकेतित करते हुए बाकायदा सूची ही जारी कर दी, इस दावे के साथ कि उनका मुस्लिम होना इसका सबूत था कि मुस्लिम–पक्षधर रिपोर्टिंग हो रही थी! पत्रकार से भाजपा नेता बने त्रिपाठी जी ने इस सूची में खेल सिर्फ इतना किया था कि उन्हीं तथा अन्य मीडिया संस्थानों के सारे हिंदू पत्रकारों के नाम छांटकर अलग कर दिए थे! उधर भाजपा के प्रवक्ता, सुधांशु त्रिवेदी ने भाजपा के डबल इंजन राज में सांप्रदायिक हिंसा फूट पड़ने और अगले दिन भी जारी रहने पर किसी भी प्रकार की शर्मिंदगी महसूस करने के बजाए, बड़ी बेशर्मी से ऐसे दंगे होने को पिछले चुनाव के नतीजों से जोड़ने की कोशिश की, जिनमें विपक्ष की ताकत बढ़ी थी।

कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन नरेंद्र मोदी और व्लादिमीर पुतिन दोनों के लिए महत्वपूर्ण

नित्य चक्रवर्ती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 से 24 अक्टूबर को रूस के कजान स्थित तातारस्तान शहर में राष्ट्रपति पुतिन की मेजबानी में विस्तारित ब्रिक्स ब्लॉक के शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। यह शिखर सम्मेलन भारतीय प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति पुतिन दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। नरेंद्र मोदी ऐसे समय में इसमें भाग ले रहे हैं, जब उन्हें केनेडा में एक केनाडाई नागरिक की हत्या और अमेरिका में एक अन्य की हत्या के प्रयास में सरकारी एजेंसी की कथित संलिप्तता को लेकर अमेरिका के नेतृत्व वाली पश्चिमी शक्तियों के हाथों कूटनीतिक और राजनीतिक शर्मिंदगी का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें इससे बाहर निकलना है और उन्हें गैर–पश्चिमी देशों से मैत्रीपूर्ण मदद की आवश्यकता है। क्वाड में भारत के रणनीतिक साझेदार होने के बावजूद अमेरिका द्वारा कनाडा का पक्ष लेने से भारतीय प्रधानमंत्री को ठेस पहुंची होगी, जिन्होंने भारत–अमेरिका संबंधों से बहुत उम्मीदें लगाई थीं और हाल के वर्षों में ग्लोबल साऊथ को छोड़कर वर्तमान युद्ध में इजरायल पर पश्चिमी रुख का समर्थन किया, जिससे ग्लोबल साऊथ के सदस्य देशों को निराशा हुई। विकासशील देशों में भारत के सहयोगियों द्वारा दूरी बनाये जाने और केनेडा के मुद्दे पर पश्चिमी मित्रों द्वारा फटकार लगाये जाने के बाद, भारतीय प्रधानमंत्री उभरती विश्व व्यवस्था में भूमिका की तलाश में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। जहां तक राष्ट्रपति पुतिन का सवाल है, वे लंबे अंतराल के बाद यूक्रेन युद्ध, पश्चिम द्वारा प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय द्वारा अभियोग के संदर्भ में इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहे हैं। रूस ने पिछले दो वर्षों में प्रतिबंधों को झेला है, तथा उसकी अर्थव्यवस्था समृद्ध हुई है। राष्ट्रपति पुतिन इस शिखर सम्मेलन के माध्यम से पश्चिम और दुनिया के सभी देशों को यह दिखाने की कोशिश करेंगे कि रूस एक महाशक्ति के रूप में बना हुआ है और ऐसा ही रहेगा। तातारस्तान शिखर सम्मेलन में मूल पांच सदस्यों ब्राजील, भारत, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका के अलावा पांच और नये सदस्य–मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहली बार भाग लेंगे। इसके अलावा, राष्ट्रपति पुतिन ने दो दर्जन से अधिक अन्य देशों को आमंत्रित किया है जिन्होंने इस विस्तारित ब्लॉक की सदस्यता के लिए आवेदन किया है या विचार कर रहे हैं जो अब आर्थिक ताकत के मामले में सबसे बड़ा ब्लॉक है। इस शिखर सम्मेलन का विषय श्न्यायसंगत वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करनाश है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2024 ब्राजील में आने वाले जी–20 शिखर सम्मेलन से अधिक महत्व रखेगा जिसमें पश्चिमी राष्ट्रों के साथ–साथ अग्रणी विकासशील राष्ट्र भी शामिल हैं। 2023 में भारत ने जी–20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की थी। 2024 के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आमंत्रितों सहित तीस से अधिक देशों की उपस्थिति देखी जा सकती है और यह सबसे बड़ा मंच होगा जिसमें बहुपक्षवाद और वैश्विक मुद्दों, विशेष रूप से पश्चिम एशियाई युद्ध और यूक्रेन युद्ध पर चर्चा की जायेगी। इनमें से अधिकांश देशों ने संयुक्त राष्ट्र में चर्चा के दौरान इजरायल के खिलाफ रुख अपनाया है। इजराइल मुद्दे पर खुद को अलग–थलग पाना नरेंद्र मोदी के लिए शर्मनाक होगा। गाजा में इजराइली लोगों के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र महासभा में पारित प्रस्ताव पर भारत के पिछले मतदान से दूर रहने पर इन सदस्यों ने काफी नाराजगी जताई है। प्रधानमंत्री 22 और 23 अक्टूबर को दो दिनों के लिए शिखर सम्मेलन में रहेंगे। सम्मेलन में विचार–विमर्श के अलावा तीन द्विपक्षीय बैठकें बहुत महत्वपूर्ण हैं। पहली चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ, फिर राष्ट्रपति पुतिन के साथ और तीसरी सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय वार्ता ईरान के राष्ट्रपति के साथ होगी। हालांकि द्विपक्षीय वार्ता के लिए सभी कार्यक्रमों की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन यह काफी संभावना है कि ये सभी बैठकें होंगी क्योंकि चर्चा दोनों पक्षों के लिए महत्वपूर्ण है। चीन के संबंध में, प्रधानमंत्री मोदी को भारत–चीन द्विपक्षीय संबंधों को उचित परिप्रेक्ष्य में रखने का मौका मिलेगा, जिसमें सीमा मुद्दे पर ध्यान केंद्रित किया जायेगा जो अभी भी द्विपक्षीय संबंधों के विकास की प्रक्रिया को अवरुद्ध करने वाला एक अड़चन है। दोनों के बीच संवादहीनता है और दोनों प्रमुख एशियाई देश एक कलंक को ढो रहे हैं जो 1950 के दशक के उत्तरार्ध से जारी है। तब से दुनिया मौलिक रूप से बदल गई है। अब समय आ गया है कि द्विपक्षीय संबंधों को प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग के नये नजरिये से देखा जाए। यदि दोनों देशों के प्रमुख अपेक्षित राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाते हैं तो मोदी–शी बैठक में एक छोटी सी शुरुआत हो सकती है। रूस के संदर्भ में, राष्ट्रपति पुतिन भारत के भरोसेमंद मित्र बने हुए हैं और भारत के साथ संबंधों में सोवियत काल की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। भुगतान संतुलन और मुद्रास्फीति के दबाव के मामले में भारत 2024 में बेहतर स्थिति में है, जिसका मुख्य कारण पिछले दो वर्षों में रूस द्वारा सस्ते कच्चे तेल की आपूर्ति है। भारतीय प्रधानमंत्री ने पहले भी राष्ट्रपति पुतिन के प्रति अपना आभार व्यक्त किया है। लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। दोनों देशों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भारत–रूस सहयोग को बहुत अधिक उच्च स्तर तक बढ़ाने की बड़ी गुंजाइश है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के उतार–चढ़ाव पर कुछ पुनर्विचार करना होगा। हाल के वर्षों में उनके और पीएमओ द्वारा निर्देशित कूटनीति ने विदेश मंत्रालय के अनुभवी अधिकारियों को हाशिये पर डाल दिया है। क्या इसने विश्व समुदाय में भारत की स्थिति के मामले में बेहतर काम किया है? भारत ने सार्क को लगभग छोड़ दिया है। भारत–पाकिस्तान तनाव के कारण अपार संभावनाओं वाला दक्षिण एशियाई देशों का संगठन निष्क्रिय है। पाकिस्तान अब सार्क को पुनर्जीवित करने में अग्रणी भूमिका निभाना चाहता है। अगर ऐसा होता है और दूसरे देश भी अनुकूल प्रतिक्रिया देते हैं, तो दक्षिण एशियाई कूटनीति में भारत का कद क्या रह जायेगा? एससीओ बैठक के संबंध में, भारत ने कुछ समय तक कोई सक्रिय भूमिका नहीं निभाई। इस महीने, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर को इस आधिकारिक स्थिति के साथ भाग लेने के लिए भेजा गया कि कोई द्विपक्षीय वार्ता नहीं होगी।

रीवा सीधी टनल में भीषण हादसाः चलते ट्रक में लगी आग, आवागमन बंद मचा हड़कंप...

दोनों ओर से निकल रहा धुएं का गुब्बार, पुलिस और टनल प्रबंधन लगे आग पर काबू पाने में, मौके पर दिख रहा सिर्फ धुआं ही धुआं...

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। रीवा सीधी टनल में हुआ जोरदार धमाका सुरंग से गुजर रहा एक ट्रक आग का गोला बन गया है. ट्रक में आग लगने की वजह से सुरंग के दोनों छोर से काफी धुआं निकल रहा है और पूरी सुरंग धुएं से भर गई है. फिलहाल मौके पर अफरा-तफरी का माहौल है और सुरंग प्रबंधन ने आवाजाही को पूरी तरह से बंद कर दिया है. हर कोई अब जो कर सकता है वो कर रहा है. इस वक्त की बड़ी खबर रीवा सीधी मार्ग पर बनी सुरंग से आ रही है जहां सुरंग से गुजर रहे एक ट्रक में अचानक आग लग गई.आग लगते ही जोरदार धामाका होने की खबर है आपको बता दे कि आग ने विकराल रूप से धारण कर लिया है और ट्रक के पहिये में जोरदार धामाका हुआ इस दौरान सुरंग चारों तरफ धुएं से भर गई है और दोनों छोर से काफी धुआं निकल रहा है. धुएं के बीच ट्रक भी दिखाई नहीं दे रहा है. फिलहाल सुरंग के दोनों तरफ से आवाजाही पूरी तरह से बंद कर दी गई है और अब आग पर काबू पाने की कोशिशें जारी हैं।सुरंग के अंदर ट्रक में आग लगने के बाद पूरी सुरंग धुएं से भर गई है और सुरंग के दोनों तरफ से धुएं का बड़ा गुबार निकल रहा है. फिलहाल घटनास्थल पर हड़कंप की स्थिति बन गई है और सुरंग के अंदर हुई इस घटना के बाद रीवा सीधी मार्ग को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है. घटना को लेकर इस वक्त सामने आ रही जानकारी के मुताबिक ट्रक रीवा से सीधी जा रहा था और जैसे ही ट्रक सुरंग में दाखिल हुआ थोड़ी दूर जाने के बाद ट्रक में आग लग गई।घटना के दौरान सुरंग के अंदर से धुआं निकलते ही वाहन सवारों समेत मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया. तो वहीं इस वक्त की बड़ी खबर रीवा सीधी सुरंग से है जहां नहर से गुजर रहे एक चलते ट्रक में सुरंग के दोनों तरफ से आग लग गई. तेज धुआं निकल रहा है. फिलहाल सुरंग में आवागमन पूरी तरह से बंद कर दिया गया है और आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है।

दोस्तों के साथ हसी मजाक करते समय युवक को आया साइलेंट हार्ट - अटैक, कुछ सेकंड में चली गई जान

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा।कहते हैं कि इंसान के जीवन और मृत्यु का कोई भरोसा नहीं होता, मौत कब और कहां आ जाए इसकी भी कोई गारंटी नहीं होती। ऐसा ही कुछ हुआ रीवा के एक युवक के साथ, जो अपने दोस्तों के साथ हंसते-हंसते बात करते-करते मौत, वहां मौजूद लोगों को भी पता नहीं चला। युवक की मौत का लाइव वीडियो भी सामने आया है।दरअसल, युवक की मौत का यह दिल दहलाने वाला वीडियो रीवा शहर के सिरमौर चौराहे का है। जहां कल चौराहे पर स्थित एक दुकान के अंदर बजरंग नगर निवासी प्रकाश सिंह बघेल अपने दोस्तों के साथ हंसी-मजाक कर रहे थे। तभी अचानक वह कुर्सी से नीचे जमीन पर गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना 20 अक्टूबर की बताई जा रही है और इसकी दिल दहलाने वाली घटना अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।बताया जाता है कि रीवा शहर के युवा व्यवसायी विनय सिंह बघेल के भाई प्रकाश सिंह बघेल दूसरे दिन अपने दोस्तों के साथ बैठे थे। सभी लोग किसी अनहोनी की आशंका से बेखबर आराम से बातें कर रहे थे। इसी दौरान प्रकाश अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। मौके पर मौजूद उनके दोस्त कुछ समझ पाते इससे पहले ही उनकी मौत हो गई। उनके दोस्त उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने बताया कि प्रकाश की मौत हार्ट अटैक से हुई है। इन दिनों युवाओं में हार्ट अटैक से मौत के कई मामले सामने आए हैं। इसके पीछे की वजह खान-पान और बिगड़ती लाइफ स्टाइल मानी जा रही है। इसी के चलते युवाओं की अचानक हार्ट अटैक से मौत हो रही है।

सोशल मीडिया इन्फ्लूएंशर की एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

रीवा। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ-साथ सोशल मीडिया भी प्रचार-प्रसार का नया माध्यम बन गया है। कम समय में अधिक व्यक्तियों तक सूचनाएं पहुंचनाने की क्षमता के कारण सोशल मीडिया का हर क्षेत्र में तेजी से उपयोग हो रहा है। प्रशासनिक कार्यों और शासन की योजनाओं के प्रचार-प्रसार में भी सोशल मीडिया का लगातार उपयोग किया जा रहा है। फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम तथा यूट्यूब पर सक्रिय और बीस हजार से अधिक रीच वाले सोशल मीडिया इन्फ्लूएंशर्स की कार्यशाला गत दिवस होटल विष्णु एम्पायर में आयोजित की गई। जनसम्पर्क संचालनालय द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में रीवा संभाग के सभी जिलों के चुने हुए 74 सोशल मीडिया इन्फ्लूएंशर्स शामिल हुए। कार्यशाला में जनसम्पर्क विभाग से जुड़े विषय विशेषज्ञों की टीम ने सोशल मीडिया इन्फ्लूएंशर्स को कंटेंट निर्माण, रील्स बनाने, वीडियो एडिटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग, स्क्रिप्ट राइटिंग जैसे विषयों पर तकनीकी प्रशिक्षण दिया।कार्यशाला में शुभारंभ करते हुए अपर संचालक जनसम्पर्क संजय जैन ने कहा कि सोशल मीडिया भविष्य का मीडिया है। यह अपनी बात जनता तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। इसके माध्यम से घर बैठे सभी तरह की सूचनायें और शासन की गतिविधियाँ और योजनाओं की जानकारी मिल जाती है। सोशल मीडिया का हम सब किसी न किसी रूप में लगातार इस्तेमाल करते हैं। सोशल मीडिया में भी कई चुनौतियाँ हैं। साइबर क्राइम, सूचनाओं की विश्वसनीयता, फेक न्यूज तथा सोशल मीडिया की वैधानिकता की चुनौतियों से निपटना होगा। कार्यशाला में उप संचालक सुनील वर्मा ने कहा कि सोशल मीडिया न्यू एज मीडिया है। विन्ध्य में सोशल मीडिया में कई प्रतिभाशाली सोशल मीडिया इन्फ्लूएंशर सक्रिय हैं। इनमें से कुछ लोगों के फालोअर्स पाँच लाख से भी अधिक है। इन सबके प्लेटफार्म मुख्य रूप से मनोरंजन के लिए हैं, लेकिन मनोरंजन के साथ यदि आमजनता और समाज के प्रति जिम्मेदारी भी जुड़ जाए तो आप सबका कार्य बहुत उपयोगी हो जाएगा। मनोरंजक कार्यक्रम के माध्यम से शासन की योजनाओं, कार्यक्रमों और महत्वपूर्ण जनहित सूचनाओं को आप सब लाखों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए जनसम्पर्क विभाग ने सोशल मीडिया इन्फ्लूएंशर्स से संवाद और प्रशिक्षण के लिए संभाग स्तर पर पहली बार कार्यशाला का आयोजन किया है। आप सब अपने कंटेंट में शासन की योजनाओं और जनहित की जानकारी को भी अवश्य शामिल करें।कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ श्री सर्वेश पंचोली द्वारा सोशल मीडिया का परिचय और संभावनाएं, सोशल मीडिया के प्लेटफार्म्स का परिचय, डिजिटल इनफ्लुएंसर बनने की संभावनाएं, सोशल मीडिया का प्रभाव, ग्रोथ स्ट्रेटजी, फॉलोअर्स बढ़ाने की रणनीति, कंटेंट प्लानिंग, कैप्शन राइटिंग, हैशटैग्स और एल्गोरिदम के बारे में जानकारी दी गई। इसी तरह से सोशल मीडिया नियम और शर्तें, कॉपीराइट, प्राइवेसी, गाइडलाइन्स, प्रमोशन के लिए आवश्यक नियमों के बारे विशेषज्ञ शुभम वर्मा द्वारा बताया गया। प्रभावी कंटेंट निर्माण विभिन्न प्रकार के कंटेंट निर्माण ,रील्स, शॉर्ट्स और स्टोरीज के उपयोग के बारे में सतीश कुशवाह के द्वारा जानकारी दी गई। वीडियो एडिटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग, स्क्रिप्ट राइटिंग के बारे में इरशाद अहमद जैदी द्वारा जानकारी दी गई। कार्यशाला में संभाग के सभी जिलों के जनसम्पर्क अधिकारी, सोशल मीडिया हैण्डलर तथा सोशल मीडिया इन्फ्लूएंशर्स शामिल रहे।

आईटीआई में स्माल हाईड्रों पावर प्लांट तकनीशियन होंगे तैयार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में जल विद्युत का महत्वपूर्ण योगदान है। रीवा संभाग में कई जल विद्युत केन्द्र हैं साथ ही छोटे जल विद्युत केन्द्रों के स्थापना के प्रयास भी लगातार किये जा रहे हैं। इनके लिए प्रशिक्षित तकनीशियन संभागीय आईटीआई रीवा में तैयार किये जायेंगे। स्माल हाईड्रों पावर प्लांट तकनीशियन को प्रशिक्षण देने वाला रीवा प्रदेश का प्रथम आईटीआई संस्थान बन गया है। इस संबंध में प्राचार्य ने बताया कि हाईड्रों इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट के तकनीशियन का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद युवाओं को स्थाई रोजगार के अवसर मिलेगे।प्राचार्य ने बताया कि आईटीआई में यह प्रशिक्षण 2 वर्ष की अवधि का है। प्रशिक्षण के दौरान तकनीकी कौशल, तकनीकी ज्ञान, ड्राइंग और डिजाइन तथा गणना का सैधांतिक प्रशिक्षण दिया जायेगा। इसका व्यावहारिक प्रशिक्षण मध्यप्रदेश विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड के सिरमौर जल विद्युत केन्द्र में दिया जायेगा। इस प्रशिक्षण में इलेक्ट्रिकल उपकरणों के संचालन मेन्टीनेंस, सिविल वर्क तथा हाईड्रों मेकेनिकल उपकरणों के रखरखाव में विशेषज्ञता शामिल है। आईटीआई के तकनीशियनों को सिरमौर में 23 अक्टूबर से प्रशिक्षण प्रारंभ कर दिया गया है।

रोजगार मेला 25 अक्टूबर को रीवा मेंरोजगार मेले में 10 कंपनियों द्वारा किया जाएगा युवाओं का चयन

रीवा। शासकीय आईटीआई रीवा में 25 अक्टूबर को प्रातः11 बजे से दोपहर 3 बजे तक रोजगार मेला आयोजित किया गया है। रोजगार मेला मध्यप्रदेश संकल्प योजना के तहत आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 10 कंपनियों एवं नियोजकों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों हेतु युवक एवं युवतियों की आयु सीमा 18 से 48 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। आयु सीमा विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग होगी। वेतन एवं भत्ते 8500 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा। उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में एनसी सप्लाई प्रा. लि., टीडीके इंडिया प्रा. लि., ईजीएलओ लाइटिंग इंडिया प्रा. लि., वीवीडीएन इंडिया प्रा. लि., बोनटन टेक्नोमेक फर्नीचर प्रॉ. लि. इंदौर (आईसेक्ट), स्वतंत्र माइक्रोफिन प्रा. लि. भोपाल, प्रगतिशील बायोटेक रीवा, प्रगतिशील एग्रोटेक रीवा, प्रसाद फर्टलाईजर एण्ड बायोकेमिकल्स प्रा. लि. रीवा तथा एचडीएफसी लाईफ इश्योरेन्स लि. रीवा में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

अधिकारियों ने औद्योगिक विकास के आयामों को किया प्रस्तुत

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। रीवा में 23 अक्टूबर को आयोजित प्रदेश की पाँचवी रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शुभारंभ किया। इसके समापन पर प्रदेश को 31 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इस शानदार आयोजन में देश के कई जाने-माने उद्योगपति तथा लगभग चार हजार लघु उद्यमी शामिल हुए। कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र में प्रदेश के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों ने मध्यप्रदेश और विन्ध्य में औद्योगिक विकास तथा समग्र विकास के विभिन्न आयामों को प्रस्तुत किया। प्रशासनिक अधिकारियों की प्रभावी प्रस्तुति से मुख्यमंत्री और उद्योगपति अभिभूत हुए। समारोह में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का मुख्य उद्देश्य समेकित विकास करना तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग को बड़ावा देना है। रीवा संभाग में प्रचुर प्राकृतिक संसाधन हैं। सिंगरौली प्रदेश की ऊर्जा राजधानी है। विन्ध्य में देश के कुल सीमेंट उत्पादन का 10 प्रतिशत भाग है। विन्ध्य में उद्योग स्थापित करने के लिए पर्याप्त जमीन बिजली और पानी उपलब्ध है। प्रदेश की औद्योगिक नीति से भी उद्योगों की स्थापना की राह आसान हुई है। समारोह में प्रमुख सचिव उद्योग राघवेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि प्रदेश पावर सरप्लस स्टेट है। प्रदेश में चार बड़े इंडस्ट्रियल कॉरिडोर हैं, जिनका लाभ रीवा और पूरे विन्ध्य को मिलेगा। प्रदेश में रोड और रेल का बेहतर नेटवर्क है। रीवा सहित प्रदेश में 6 एयरपोर्ट और सभी जिलों में हवाई पट्टियाँ निर्मित हैं। हमारी उद्योग संवर्धन और निवेश नीति पूरे देश में सबसे शानदार और आकर्षक है। महिलाओं के लिए प्रदेश में कार्य करने के लिए सुरक्षित वातावरण है। विन्ध्य में खाद्य आधारित उद्योगों की स्थापना की प्रबल संभावना है। समारोह में अपर मुख्य सचिव ऊर्जा मनु श्रीवास्तव ने ऊर्जा और नवकरणीय ऊर्जा के संबंध में रोचक प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने कहा कि नवकरणीय ऊर्जा निवेश का नया क्षेत्र बनकर उभरा है। पिछले 12 सालों में इसमें 12 गुना वृद्धि हुई है। नवकरणीय ऊर्जा का उत्पादन 500 मेगावाट से बड़कर 6500 मेगावाट हो गया है। प्रदेश के कई जिलों में सोलर पावर प्लांट लगाए जा रहे हैं। समारोह में प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति शिवशेखर शुक्ला ने कहा कि अतुल्य भारत के सबसे स्वच्छ हरे-भरे और सुरक्षित हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश में निवेशकों का स्वागत है। विन्ध्य में और पूरे प्रदेश में कई आकर्षक पर्यटन केन्द्र हैं। विश्व की सर्वाधिक यूनेस्को विश्व धरोहर मध्यप्रदेश में हैं। मध्यप्रदेश देश का टाइगर स्टेट लेपर्ड और चीता स्टेट है। वर्ष 2023 में 11 करोड़ 21 लाख से अधिक पर्यटक मध्यप्रदेश पहुंचे। पर्यटन के क्षेत्र में निवेश करने वालों को 30 प्रतिशत पूंजी अनुदान तथा अनेक प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। समारोह में अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय दुबे ने कहा कि मध्यप्रदेश डेटा सेंटर के लिए देश का सबसे उपयुक्त स्थान है। यहाँ से पाँच सौ किलोमीटर की परिधि में देश की 75 प्रतिशत आबादी कवर होगी। डेटा सेंटर की स्थापना में 30 प्रतिशत अनुदान मध्यप्रदेश तथा 50 प्रतिशत अनुदान भारत सरकार द्वारा दिया जा रहा है। प्रदेश में डेवलपर्स को सौ करोड़ का निवेश करके भवन बनाने पर 27 करोड़ का अनुदान दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश में उद्योग लगाने पर जो कार्य यहाँ एक रुपए में होता है उसी कार्य के लिए बाम्बे में 3.5 रुपए तथा दिल्ली में 3 रुपए देने पड़ते हैं। इन महानगरों में 20 किलोमीटर की दूरी तय करने में डेढ़ से दो घंटे लगते हैं। वहीं मध्यप्रदेश में इसके लिए केवल 40 मिनट का समय लगता है। विन्ध्य प्रतिभाओं से संपन्न है। इस क्षेत्र के जनरल उपेन्द्र द्विवेदी देश के सेनाध्यक्ष और एडमिरल दिनेश त्रिपाठी नौ सेनाध्यक्ष हैं। दोनों सैनिक स्कूल रीवा के सहपाठी भी हैं। समारोह में प्रमुख सचिव एमएसएमई नवनीत मोहन कोठारी ने कहा कि प्रदेश में एमएसएमई क्षेत्र में 73 लाख व्यक्तियों को रोजगार मिल रहा है। रीवा संभाग में लघु उद्यमों में पाँच लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है। खाद्यान्न तथा फल-सब्जी आधारित उद्योगों का संभाग में बड़ी तेजी से विकास हो रहा है। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव विन्ध्य में औद्योगिक विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

वैश्य पोद्दार महासभा फ़रीदाबाद का सत्संग एवं भंडारे का विशाल आयोजन

नई दिल्ली। दिनांक 22 अक्टूबर, मंगलवार को वैश्य पोद्दार भवन फरीदाबाद में अध्यक्ष अनिल पोद्दार के पिताजी के नौवीं पुण्य तिथि पर सत्संग के पश्चात सभी के लिए महाप्रसाद (भंडारा) का भी व्यवस्था किया गया। सभी लोगों ने सत्संग का लाभ उठाए और महाप्रसाद ग्रहण किए, सभी ने अध्यक्ष अनिल पोद्दार जी के पूरे परिवार को आशिर्वाद दिए। इस में वैश्य पोद्दार महासभा बवाना दिल्ली ह्यष्ट्रके महासचिव एवं वैश्य पोद्दार महासंध रजि. के राष्ट्रीय मीडिया प्रवक्ता राजकुमार पोद्दार , अशोक पोद्दार अध्यक्ष, संजीत पोद्दार, फरीदाबाद के अशोक पोद्दार, जनार्दन पोद्दार, अनिल पोद्दार, अमरेंद्र पोद्दार, फूलचंद पोद्दार एवम अन्य फरीदाबाद के सभी कार्यकर्त्ता गण मौजूद रहे,

रा से योजना इकाई के गोद ग्राम उड़ांगी जिला बिलासपुर में एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया

जांजगीर चांपा।लाल बहादुर शास्त्री कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय बलौदा के राष्ट्रीय सेवा योजना के

गोद ग्राम उडांगी में 23 अक्टूबर दिन बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के एकदिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया जिसमें गांव के साला प्रांगण के आसपास के साथ सफाई नदी और तालाब की साफ-सफाई चबूतरा निर्माण के साथ-साथ स्कूल की रंग रोगन से पुताई किया गया कार्यक्रम की प्रारंभ सुबह 9 बजे जनजागरूकता रैली निकाल कर किया गया, फिर 10 बजे से 12 बजे तक श्रम कार्य किया गया, इसके पश्चात दोपहर की भोजन के बाद गांव वाले स्कूली बच्चों और शिविरार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम द्वारा संदेश दिया गया। उक्त कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अभिजीत भौमिक और कार्यक्रम अधिकारी जगदीश पटानवार के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। विशेष सहयोगी के रूप में सहायक कार्यक्रम अधिकारी अमित मरावी, भूपेंद्र पाटनवार, अरुण नेताम ने सहयोग दिए, गांव से आए हुए ग्रामीण और स्कूली बच्चों ने इस विशेष शिविर की सराहना किए वही ग्राम प्रधान सरपंच गीता यादव ने भी हमारे शिविरार्थियों के मेहनत को देख कर सहराना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना किए। अंत में माई भारत के प्रोग्राम आफिसर नीलकंठ यादव ने सभी ग्रामीण, स्कूली विद्यार्थियों और मुख्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

वीरता, स्वामी भक्ति, बुद्धि-ज्ञान आदि के भंडार हैं हनुमानजी महाराजः भागवताचार्य आनंद वल्लभ गोस्वामी

वृन्दावन। नगर के अति प्राचीन सिंहपौर हनुमान मंदिर में श्रीहनुमद आराधन मंडल के द्वारा संगीतमय सामूहिक सुंदरकांड का पाठ कई प्रख्यात संतों, विद्वानों व धर्माचार्यों के सानिध्य में सम्पन्न हुआ।जिसके अंतर्गत श्रीहनुमानजी महाराज का दिव्य व भव्य श्रृंगार किया गया।साथ ही उनकी विशेष आरती की गई।इस अवसर पर आयोजित संत-विद्वत सम्मेलन में अपने विचार व्यक्त करते हुए ठाकुर बांके बिहारी मन्दिर के सेवाधिकारी व प्रख्यात भागवताचार्य आनंद वल्लभ गोस्वामी एवं चिंतन वल्लभ गोस्वामी ने कहा कि श्रीहनुमानजी महाराज समस्त सद्गुणों की खान हैं। उनमें वीरता, स्वामी भक्ति, बुद्धि-ज्ञान आदि का भंडार है।जो व्यक्ति जिस कामना से उनकी पूजा-अर्चना करता है,उसकी कामना वे निश्चित ही पूर्ण करते हैं। सिंहपौर हनुमान मंदिर के महंत सुंदर दास महाराज एवं श्रीहनुमद आराधन मंडल के अध्यक्ष अशोक व्यास महाराज ने कहा कि श्रीहनुमानजी महाराज भक्ति शिरोमणि हैं।कलिकाल में श्रीहनुमानजी की आराधना के बिना भगवान श्रीरामजी की भक्ति प्राप्त कर पाना असम्भव है। पूर्व विधायक प्रदीप माथुर एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने कहा कि सुंदरकांड का पाठ सभी बाधाओं को दूर करने वाला है।इस पाठ को करने से श्रीहनुमानजी महाराज शीघ्र ही प्रसन्न होकर भक्तों को मनवांछित फल प्रदान करते हैं। इस अवसर पर पुराणाचार्य डॉ. मनोज मोहन शास्त्री, भागवताचार्य विपिन बापू, आचार्य मारूतिनन्दन वागीश महाराज, प्रमुख भाजपा नेता पण्डित योगेश द्विवेदी, सोहन सिंह सिसोदिया, सुरेश चंद्र शर्मा, डॉ. रमेश चंद्राचार्य विधिशास्त्री महाराज, भागवताचार्य सुरेश चंद्र शास्त्री, मुकेश मोहन शास्त्री, डॉ. राधाकांत शर्मा, भगवत किशोर व्यास, स्वामी रामशरण शर्मा, पण्डित महेश भारद्वाज, आचार्य विनय त्रिपाठी, स्वामी प्रेमशरण शर्मा, चेतन किशोर कटारे, वरिष्ठ पत्रकार भोलेश्वर उपमन्यु आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।संचालन आचार्य विपिन बापू ने किया।महोत्सव के अंतर्गत पण्डित योगेश द्विवेदी ने श्रीहनुमानजी महाराज की महिमा से ओतप्रोत भजनों का संगीत की मृदुल स्वर लहरियों के मध्य गायन किया। महोत्सव का समापन संत ब्रजवासी वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारे के साथ हुआ।जिसमें सैकड़ों भक्तों-श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया। महोत्सव के संयोजक आचार्य आनन्द वल्लभ गोस्वामी ने सभी आगंतुक अतिथियों का स्वागत करके उनका आभार व्यक्त किया।महोत्सव के अंतर्गत धर्म व अध्यात्म के क्षेत्र में विश्व वैष्णव सेवा संघ के अध्यक्ष व प्रख्यात भागवताचार्य आनंद वल्लभ गोस्वामी, श्रीहनुमद आराधन मंडल के अध्यक्ष अशोक व्यास महाराज एवं समाजसेवा के क्षेत्र में प्रमुख भाजपा नेता व उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष पण्डित योगेश द्विवेदी का सम्मान किया गया।

भक्तों के सभी मनोरथ पूर्ण करते हैं गिरिराज गोवर्धन : भागवताचार्य गोविन्द मुद्गल महाराज

वृन्दावन। दावानल कुण्ड क्षेत्र स्थित दंदरौआ आश्रम में अनन्तश्री विभूषित दंदरौआ सरकार की अनुकम्पा से पूज्य महंत राधिका दास महाराज के पावन सानिध्य में चल रहे सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ महोत्सव में व्यासपीठ से प्रख्यात भागवताचार्य गोविन्द मुद्गल महाराज ने अपनी सुमधुर वाणी में सभी भक्तों-श्रृद्धालुओं को श्रीगिरिराज लीला प्रसंग की कथा श्रवण कराते हुए कहा कि गिरिराज गोवर्धन महाराज साक्षात भगवान श्रीकृष्ण के ही प्रतिरूप हैं।उनमें और श्रीकृष्ण में कोई भेद नहीं है।वस्तुत- भगवान श्रीकृष्ण ने प्रकृति का संरक्षण करने के लिए ही गिरिराज पूजा की लीला की थी।जिससे कि लोग प्रकृति के महत्व को जानें और उसकी उपयोगिता का सही ढंग से पालन करें। भागवताचार्य गोविन्द मुद्गल महाराज ने कहा कि ब्रज की पावन भूमि पर त्रिदेव पर्वत रूप में विद्यमान हैं। जो कि बरसाना में ब्रह्मगिरि (ब्रह्मदेव), नंदगांव में नंदीश्वर पर्वत (महादेव) एवं गोवर्धन में गिरिराज पर्वत (भगवान विष्णु) के स्वरूप हैं।इनकी पूजा व परिक्रमा करने से व्यक्ति के सभी मनोरथ सिद्ध होते हैं।इसीलिए गिरिराज गोवर्धन ब्रजवासियों के इष्टदेव हैं।

इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की अत्यंत नयनाभिराम और चित्ताकर्षक झांकी के दर्शन कराए गए।साथ ही गिरिराज गोवर्धन को 56 भोग लगा कर उसका प्रसाद वितरित किया गया। महोत्सव में विश्वविख्यात भागवत प्रवक्ता कृष्ण चंद्र शास्त्री (ठाकुरजी), गौरी गोपाल आश्रम के संस्थापक अनिरुद्धाचार्य महाराज, मुख्य यजमान रामस्वरूप कटारे, श्रीमती मुन्नी देवी कटारे (ग्वालियर), भागवताचार्य श्रीराम मुद्गल, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, पुराणाचार्य डॉ. मनोज मोहन शास्त्री, श्रीराम कथा मर्मज्ञ अशोक व्यास, आचार्य विपिन बापू महाराज, मुकेश मोहन शास्त्री, डॉ. राधाकांत शर्मा आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मानव अधिकारों से जुड़े मामलों पर शीघ्र कार्यवाही अवश्य- अध्यक्ष मनोहर ममतानी

भिंड- मानव अधिकारो से जुड़े मामलों पर शीघ्र कार्यवाही अवश्य- यह बात मानव अधिकार आयोग मध्यप्रदेश के अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने कही । अध्यक्ष मनोहर ममतानी मानव अधिकारों से जुड़े ज्यादा से ज्यादा मामलों को चिन्हित कर तुरंत कार्यवाही के लिए भोपाल कार्यालय भेजें,ताकि उन सभी मामलों पर संज्ञान लिया जा सके वे ग्वालियर शासकीय कार्यक्रम के तहत रविवार को ग्वालियर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग शिकायत प्रकोष्ठ कार्यालय ग्वालियर में आए यहां उन्होंने मानव अधिकार आयोग मित्रों के साथ मानव अधिकार जागरूकता पर बैठक की 7 उन्होंने कार्यालय में आने वाली सभी शिकायतों को मानव अधिकारों से जुड़ी समस्याओं को भी देखा। एवं दिसा निर्देश दिए जागरूकता कार्यक्रम करने के लिए निर्देश दिए इस अवसर पर मानव अधिकार आयोग मित्र डॉ. दीपक शर्मा, जज अवधेश कुमार श्रीवास्तव, अधिवक्ता गायत्री सुर्वे, अंशुमान शर्मा , आलोक बंधु श्रीवास्तव उपस्थित रहे ।

कलेक्टर ने किया विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण

बिलासपुर कलेक्टर अवनीश शरण ने जिला कार्यालय के विभिन्न शाखाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जिला

कार्यालय में आने वाले आधे से ज्यादा लोग पुराने रिकॉर्ड लेने आते हैं। शासन के नियमानुसार उन्हें अभिलेख मिलने चाहिए। कलेक्टर ने रिकॉर्ड रूम एवं नजूल शाखा में पारदर्शिता के लिए अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। रिकॉर्ड रूम में पुराने रिकॉर्डों का अवलोकन किया। नजूल शाखा का भी बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित शाखाओं के कर्मचारियों से उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने विभिन्न फाईलों और रिकॉर्ड के समुचित रख-रखाव के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संयुक्त कलेक्टर एस.एस दुबे एवं मनीष साहू मौजूद थे।

कलेक्टर ने किया एयरपोर्ट का निरीक्षण

कामों में तेजी लाकर जल्द पूर्ण करने दिए निर्देश

बिलासपुर । कलेक्टर अवनीश शरण ने आज बिलासा बाई केंवट एयरपोर्ट का निरीक्षण किया। निगम आयुक्त अमित कुमार, एयरपोर्ट डायरेक्टर एन बीरेन सिंह भी साथ थे। उन्होंने एयरपोर्ट में 3

सीआईएफआर के संबंध में चल रहे कार्यों को देखा। कामों की गति में तेजी लाकर इन्हें जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। इनमें प्रमुख रूप से रनवे स्ट्रीप,आइसोलेशन वे,फायर एप्रोच रोड, नव निर्मित बाउण्ड्री वाल, रनवे लाईट, एप्रोच लाईट, एप्रान हाईमास्ट, सेफ्टी वॉच टॉवर का बारीकी से अवलोकन किया। कलेक्टर ने एयरपोर्ट में फ्रंट एलिवेशन काम का जल्द प्रस्ताव तैयार करने कहा। उन्होंने एयरपोर्ट में अग्नि सुरक्षा इंतजाम की जानकारी ली। बजट के बारे में भी अधिकारियों से चर्चा किया। इस अवसर पर ईपीडब्ल्यूडी, एयरपोर्ट के अधिकारी भी उपस्थित थे।

सपा सरकार बनने पर पीडीए को न्याय, हक और सम्मान मिलेगा-अखिलेश यादव

सैनी, कुशवाह, शाक्य मौर्य समाज की बैठक में भागलेने पहुंचे मथुरा के सैनी समाज के कार्यकर्ता, सपा मुख्यालय पर लखनऊ में आयोजित हुई बैठक

महेश वर्मा ब्यूरो चीफ मथुरा

मथुरा। समाजवादी पार्टी से सैनी समाज के कार्यकर्ता सपा नेता रमेश सैनी के नेतृत्व में सपा प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित सैनी, कुशवाहा, शाक्य, मौर्य समाज की बैठक में भाग लेने पहुंचे। बैठक में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि पीडीए परिवार को समाजवादी पार्टी में ही सम्मान मिलता है। 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर पीडीए को न्याय, हक और सम्मान मिलेगा। भाजपा सरकार पीडीए के साथ अन्याय, अत्याचार कर रही है। हक छीन रही है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा चाहे जितनी रणनीति बना ले, साजिश और षडयंत्र कर ले, इस बार पीडीए परिवार एकजुट होकर भाजपा को हराएगा। भाजपा पीडीए परिवार की दुश्मन है। बैठक में मथुरा से पहुंचे सैनी समाज से मुकेश सैनी, ओमपाल सैनी, मुकेश सैनी, केशव सैनी, संतोष सैनी, देवकीनंदन आदि ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का स्वागत कर आभार जताया।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की एप्लीकेशन खारिज की अगली सुनवाई 6 नवंबर को होगी

मुस्लिम पक्ष ने कहा था कि सभी मुकदमों की सुनवाई अलग-अलग की जाए, मुस्लिम पक्ष की तरफ से एडवोकेट

तस्लीम अहमदी ने कहा था कि जब सभी मुकदमों का उद्देश्य अलग अलग है तो सभी के मुकदमा की सुनवाई है एक साथ क्यों हो रही है, इस पर हिंदू पक्षी तरफ से एडवोकेट सत्यवीर सिंह ने कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि मुस्लिम पक्ष सभी मुकदमों को अलग-अलग सुनवाई करा कर मामले को इन केसों को लंबा खींचना चाहता है, न्यायालय का समय बर्बाद करना चाहता है. हिंदू पक्ष का कहना है कि सभी मुकदमा की सुनवाई एक साथ होनी चाहिए. हिंदू पक्ष के मुख्य याचिका करता दिनेश शर्मा फलाहारी ने कहा कि मुस्लिम पक्ष के पास कोई भी साक्ष्य नहीं है जिससे यह मामले को लम्बा खींचना चाहता है, लेकिन हिंदू पक्ष चाहता है कि जल्द से जल्द फैसला हो जाए और दूध का दूध पानी का पानी अलग हो जाए. हिंदू पक्ष ने पहले ही अपने मंदिर के प्राचीन साक्ष्य न्यायालय जमा कर दिए हैं, मंदिर की खसरा खतौनी, नकल पुरानी खेबट की नकल,नगर निगम का असेसमेंट रेलवे का मुआवजा,जमीन की रजिस्ट्री, जमीन का नक्शा आदि सभी साक्ष्य न्यायालय में जमा कर दिए हैं. दिनेश शर्मा ने बताया कि पूजा उपासना अधिनियम1991 ,लिमिटेशन एक्ट और वक्फ बोर्ड एक्ट पर दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के मध्य में लगभग 4 महीने तक बहस को सुना, सुनने के बाद में न्यायालय ने ऐतिहासिक निर्णय दिया था, जिसमें न्यायालय ने स्वीकार किया के सभी मुकदमे सुनवाई योग्य हैं. उन्होंने कहा कि न्यायालय सबूत के आधार पर फैसला करता है, मुस्लिम पक्ष के पास में एक भी कागज का टुकड़ा नहीं है जो यह साबित कर सके कि यह मस्जिद,मंदिर से पहले बनी थी.

संघ प्रमुख के सानिध्य में मथुरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बड़ी बैठक; 25 को

मथुरा । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक बुधवार को गऊ ग्राम परखम में हुई. बैठक में 25 और 26 अक्टूबर को होने वाली विशेष कार्यकारिणी को लेकर विचार विमर्श किया गया. विशेष कार्यकारिणी में देश में भाईचारा, एक दूसरे की मदद, देश की प्रगति समाज के प्रति नागरिक की जिम्मेदारी समेत कई विषयों पर चर्चा की जाएगी. कार्यकारिणी में संघ प्रमुख मोहन भागवत, डॉ. कृष्ण गोपाल, आलोक कुमार यह सभी और कार्यवाह उपस्थित होंगे। दीनदयाल धाम गो अनुसंधान केंद्र में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर व पश्चिमी यूपी के अखिल भारतीय सहप्रचार प्रमुख नरेंद्र ठाकुर ने बताया कि राष्ट्रीय सेवक संघ की स्थापना के एक सौ वर्ष पूरे होने पर 2025 में विजयदशमी पर्व और स्थापना दिवस मनाया जाएगा. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना 1925 में की गई थी. आज ब्रज भूमि में आयोजित बैठक में में संघ के सभी प्रांतों के संचालक, सह संघ चालक, प्रांत कार्यवाह, सह कार्यवाह उपस्थित रहे, बैठक में 393 कार्यकर्ता भी शामिल हुए. सुनील आंबेकर के मुताबिक दो दिवसीय 25 व 26 अक्टूबर की बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत, डॉ. कृष्ण गोपाल, आलोक कुमार यह सभी और कार्यवाह उपस्थित होंगे। बैठक के बाबत संघ कार्यकर्ता गांव-गांव और घर-घर पहुंच रहे हैं. सामाजिक लोगों से भी संपर्क कर रहे हैं. शैक्षिक व्यवसाय और बुद्धिजीवी लोगों से संपर्क में हैं. समाज में भाई चारा प्रेम बना रहे एक दूसरे की मदद की जाए. देश की लगातार प्रगति होनी चाहिए. इसके संदर्भ में पूरी व्यापक चर्चा होगी और इसके जो अनुभव होंगे संचालक पर चर्चा करेंगे।

अपराध मुक्त बिहार दो नही तो सत्ता छोड़ दो : डॉक्टर राजकुमार आजाद

बेगूसराय। विहार वैश्य समाज अध्यक्ष बेगूसराय ।जिलान्तर्गत बेगूसराय सदर प्रखण्ड के बेगूसराय नगर निगम के पटेल चौक स्थित पी पी ज्वेलर्स में डाका होने के संदर्भ में वैश्य जागरण मंच का एक प्रतिनिधिमंडल पी पी ज्वेलर्स पहुंच कर उसके मालिक प्रमोद पोद्दार तथा उनके कर्मचारियों से मिला। प्रतिनिधिमंडल में वैश्य जागरण मंच के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डा0 राजकुमार आजाद,अंतर्राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी संजय कुमार पप्पू , राष्ट्रीय अध्यक्ष डा0 कैलाश महतो,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मायाराम साहू,प्रदेश अध्यक्ष डा0 राजेश कुमार, चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डा0 एस0 आर0 पंडित,,युवा राष्ट्रीय महासचिव डा0 आचार्य गणेश पोद्दार ,युवा प्रदेश अध्यक्ष डा0 केशव गांधी, बेगूसराय जिलाध्यक्ष बुटन साह ,जिला महासचिव रूपेश सोनी आदि नेतागण उपस्थित हुए। मालिक और कर्मचारियों ने बताया कि दोपहर एक बजे चार अपराधियों ने ग्राहक बनकर लूटपाट करते हुए लगभग तीस चालीस लाख का सोना का जेबर लेकर भागने लगा तो मालिक प्रमोद पोद्दार ने दो अपराधियों को अपने लाइसेंसी रिवाल्वर से पैर में गोली मारकर घायल कर दिया लेकिन दो अपराधी माल लेकर भाग गया। अगर सरकार मुझे राइफल देती तो बाकि दोनो भागते अपराधियों को गोली मारकर धराशाई कर देते। यह सुनकर सभी प्रतिनिधिमंडल का सीना गर्व से चौडा हो गया और उसी क्षण प्रतिनिधिमंडल ने प्रमोद पोद्दार को वैश्य समाज का बांड एम्बेसडर अर्थात वैश्य जागरण मंच का राष्ट्रीय संरक्षक मनोनीत कर दिया। डा0 आजाद ने बिहार के मुख्यमंत्री से मांग करते हुए कहा कि ÷ भय, भूख, भ्रष्टाचार तथा अपराध मुक्त बिहार दो या फिर सत्ता छोड दो। डा0 आजाद ने मुख्यमंत्री से कहा कि मुसलमान की आबादी सत्रह फीसदी है सिर्फ जानमाल की सुरक्षा हेतु ग्यारह फीसदी यादव को मुख्यमंत्री बनाता रहता है ठीक इसी तरह अट्ठाइस फीसदी वैश्य अपने जानमाल की रक्षा हेतु दो चार फीसदी आबादी वाले को मुख्यमंत्री बनाकर रखता है। जबकि वैश्य सिर्फ अपने ही वोट से मुख्यमंत्री बनने की क्षमता रखता है। डा0 आजाद ने पुन- मुख्यमंत्री को चेतावनी देते हुए कहा कि या तो अपराध मुक्त बिहार दो या फिर सिंहासन खाली करो कि वैश्य मुख्यमंत्री बनने को तैयार है। प्रदेश अध्यक्ष डा0 राजेश कुमार ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि सभी व्यवसायियों को अविलंब सुरक्षा हेतू रिवाल्वर और राइफल का लाइसेंस दो ।राष्ट्रीय अध्यक्ष डा0 कैलाश महतो ने कहा कि वैश्य समाज बीस वर्षों से जिल्लत की जि़न्दगी जी रहा है, अब पानी सर से उपर बहने लगा है इसलिए वैश्य समाज को आह्वान करता हू कहा कि अट्ठाइस फीसदी वैश्य अपने आप को पहचाने ,हम स्वर्ण कालीन महाराजा चन्द्र गुप्त के वंशज हैं, अब पालकी उठाने वाला कहरिया नहीं बनकर अब पालकी में बैठने वाला राजा बने।बेगूसराय जिलाध्यक्ष बुटन साह ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि वैश्य समाज के टैक्स से सरकार चलती है इसलिए सरकार वैश्य को अविलंब सुरक्षा हेतु लाइसेंसी हथियार मुहैया करावे।

महिलाओं के प्रति अपराध नही बर्दाशत- डॉ0 बबीता सिंह चौहान

मथुरा। डॉ0 बबीता सिंह चौहान, अध्यक्षा उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की अध्यक्षता में महिला जनसुनवाई / समीक्षा बैठक निरीक्षण भवन लो0नि0वि0 के सभाकक्ष जनपद-मथुरा में सम्पन्न की गयी। महिला जनसुनवाई के दौरान लगभग 33 पीड़ति महिलाों ने स्वयं उपस्थित होकर अपनी समस्यायें अध्यक्षा के समक्ष रखी, जिसमें घरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद, दहेज प्रथा एवं गुमशुदा बालिका आदि के शिकायतें सम्मलित हैं। अध्यक्षा द्वारा उपरोक्त सभी शिकायतों में सख्त से सख्त कार्यवाही करने के दिशा निर्देश दिये गये। साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के हित में चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक महिलाों को दिये जाने के भी दिशा निर्देश दिये गये। इस दौरान महिला जनसुनवाई / समीक्षा बैठक अपर पुलिस अधीक्षक (सुरक्षा), जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायतराज अधिकारी, प्रभारी निरीक्षक, महिला थाना, जिला अल्पसंख्यक कल्याण

अधिकारी, प्रधानाचार्य, राजकीय प्रौद्योगिक संस्थान, वृन्दावन, वन स्टाप सेन्टर यूनिट प्रथम / द्वितीय आदि उपस्थित रहे। डॉ0 बबीता सिंह चौहान, अध्यक्षा उ0प्र0 राज्य महिला आयोग ने कहा कि आज की जनसुनवाई में 33 शिकायतें प्राप्त हुई जोकि घरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद, दहेज प्रथा एवं गुमशुदा बालिका आदि से सम्बन्धित हैं। जनसुवाई के दौरान अधिकतर मामले पारिवारिक विघटन के थे, जिनमें तत्काल प्रभाव से कार्यवाही करने हेतु प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया है। दो प्रकरण बालिकाओं की गुमशुदगी से सम्बन्धित संज्ञान में आये। उक्त बालिकाओं की तत्काल प्रभाव से बरामदगी हेतु सम्बन्धित थानों को सख्त निर्देश दिये गये है। अध्यक्षा ने आगे कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा महिला सुरक्षा के लिऐ विभिन्न प्रकार की योजनाऐं जैसे 112, 181 महिला हेल्प लाइन, 1090 वूमेन पावर लाइन, वन स्टॉप सेन्टर आदि संचालित की जा रही है। साथ ही प्रदेश सरकार की महिला कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भात प्रतिशत महिलाओं तक पहुँचाने हेतु विस्तृत कार्य योजना तैयार किये जाने की बात कही। राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने हेतु भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों के प्रति प्रदेश सरकार बहुत गम्भर है तथा कठोर से कठोर कार्यवाही भी की जा रही है। अगर किसी पीडित महिला की सुनवाई कही नही हो रही है। तो वह तत्काल उ0प्र0 राज्य महिला आयोग के फोन न0, ईमेल, सोशल मीडिया आदि के माध्यम से सूचना दे। जिस पर महिला आयोग द्वारा सख्त से सख्त कार्यवाही की जायेगी। महिलाओं के प्रति किसी प्रकार के अपराध बर्दाश्त नही किये जायेगें। इसके बाद अध्यक्ष द्वारा जिला महिला अस्पताल का निरीक्षण किया गया और महिलाओं का हालचाल जाना। जिला अस्पताल की व्यवस्था सन्तोषजनक पायी गयी। विकास चन्द्र जिला प्रोबेशन अधिकारी, मथुरा ने अध्यक्षा तथा कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले सभी प्रतिभागीयों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

खाद्य विभाग की छापेमारी, 11 अवैध सिलेंडर जब्त आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्रवाई

बिलासपुर । घरेलू गैस सिलेण्डर के दुरूपयोग किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर खाद्य विभाग के

अधिकारी अजय मौर्य एवं राजीव लोचन तिवारी सहायक खाद्य अधिकारी एवं मंगेश कांत, श्रीमति वर्षा सिंह, सुश्री वसुधा राजपूत खाद्य निरीक्षक द्वारा इंमलीपारा बिलासपुर एवं चांटीडीह में स्थित व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। श्याम ट्रेडर्स, बजरंग कॉम्पलेक्स के पीछे इंमलीपारा की जाँच में 04 नग घरेलू गैस सिलेण्डर प्राप्त हुआ। संचालक आर.एन. पाण्डेय द्वारा उपरोक्त संबंध में कोई वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका। चांटीडीह, रामायण चौक के समीप स्थित बलदाऊ किचन केयर की जाँच में कुल 07 नग घरेलू गैस सिलेण्डर प्राप्त हुआ, जिसमें से 03 नग भरा एवं 04 नग खाली घरेलू गैस सिलेण्डर थे । उपरोक्त संबंध में संचालक बलदाऊ साहू द्वारा कोई वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका। । उपरोक्तानुसार अवैध रूप से भण्डारित घरेलू गैस सिलेण्डरों के संबंध में व्यवसायिक प्रतिष्ठान के प्रोपाईटर के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम् के तहत् कार्यवाही करते हुए घरेलू गैस सिलेण्डरों का जब्त किया गया है। सम्बन्धित व्यावसायिक प्रतिष्ठान के प्रोपाइटर के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के प्रावधानों के अनुसार आगे की कार्यवाही की जा रही है।

अम्बाह प्रथम अपर सत्र न्यायालय अंबाह द्वारा आरोपी गणों को सुनाई आजीवन कारावास की सजा...

अम्बाह... घटना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है दिनांक 12,07,14 की घटना है फरियादी का खेत में मकान बना हुआ था जिसका उसने गेट निकाल लिया था उसी तरफ़ लायक सिंह का खेत था और इसी बात पर लायक सिंह नाराज होगया सुबह साढ़े आठ बजे की बात है वह उसका भाई बिंद्राब्नसिंह उसका पूत्र राहुल, रवी बच्ची प्रिया मकान के बाहर काम कर रहे थे तभी मुकेश सिंह फर्सा, शिवराज सिंह 12 बोर बंदूक, मुन्ना सिंह 315, बोर बंदूक, अजय 315 बंदूकरामप्रकाश 12बोर बंदूक रामपाल सिंह फर्सा एक राय होकर आगए ओर बोले मादर चोदो तुमने गेट क्यो निकाला और सभी ने जान से मारने की नियत से मुन्ना सिंह ने बिंदरावन को माउजर से गोली मारी जो बिंदरावण के पेट में लगी अजय सिंह ने माउजर बंदूक से राहुल सिंह को जो बाए बखोरा में लगी

मुन्ना सिंह ने माउजर बंदूक से गोली मारी जो रबी कोचेहरे में लगी रामप्रकाश ब शिवराज ने 12बोर बंदूक से फायर किया जो प्रिया को गोली लगी मेने बचाने का प्रयास किया तो रामपाल सिंह ने फरसा मारा जो सिल्प होकर बाए बखोड़ा में लगा मौके सभी लोग घटना के बाद भाग गए बिनद्रबान घटना स्थल पर खत्म होगया था शेष घायलों को अस्पताल ले गए अस्पताल में डाक्टर ने मृत राहुल को कर दिया देहाती नालसी लेख बद्ध की जिस पर पुलिस थाना सिहोनिया में अपराध क्रमांक 78/14 धारा 302,307,294,147,148, 149 ता ही एवम धारा 25,27, आयुद अधिनियम की आरोपी गणों के विरुद्ध लेख बद्ध कि गई अपराध का अनुसंधान पूर्ण कर अभियोग पत्र न्यायालय अंबाह में पेश किया गया जो दर्ज होकर उपार्पण उपरांत प्रथम अपर सत्र न्यायालय अंबाह को प्राप्त हुआ जिसमे न्यायालय द्वारा आरोप विरचित कर साच्य ली गई अन्तिम तर्क उपरांत आरोपी मुन्ना सिंह, अयय सिंह धारा 302मे आजीवन कराबास एवम 1000, 1000अर्थ दंड से दण्डित किया गया एवम सिबराज को धारा 25,27, आयुध अधिनियम में दोषी पाते हुए 03 बरस का ससर्म कारावास से दण्डित किया गया जिसमें पैरवी रामसेवक मिश्रा अपर लोक अभियोजक अंबाह ने की जिसमे न्यायालयपदस्थ कोट मोहरिर महेश शर्मा द्वारा तामिल में सह योग किया गया

एक शाम खाटू वाले के नाम तृतीय बार्षिक उत्सव 27 अक्टूबर को आयोजित होगा

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पिछले 2 वर्षों की भांति इस बर्ष भी एक शाम खाटू वाले के नाम तृतीय बार्षिक उत्सव 27 अक्टूबर को एमजेएस कॉलेज के ग्राउंड में आयोजित किया जा रहा है ।खाटू श्याम सेवा समिति भिण्ड के सदस्य गणों एवं कार्यक्रम आयोजकों ने प्रेस वार्ता कर बताया कि जिले के एमजेएस कॉलेज के ग्राउंड में एक शाम खाटू श्याम के नाम का तृतीय बार्षिक उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है,कार्यक्रम का समय शाम 6 बजे से प्रारंभ होकर श्री श्याम की इच्छा तक चलेगा। आयोजकों ने बताया कि इस बार कार्यक्रम में श्री धाम व्रन्दावन के सुप्रसिद्ध गायक कलाकार चित्र - विचित्र एवं दीदी मीनू शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे।आयोजकों ने जानकारी देते हुए कहा कि पिछले बर्षों की तुलना में इस बार श्री श्याम दरबार की लंबाई-चौ?ई एवं ऊँचाई अधिक होगी जो ब?ा ही मनमोहक दृश्य होगा । उन्होंने बताया कि महिला एवं पुरुषों के बैठने की व्यवस्था अलग-अलग की गई है, 20,000 बीस हजार श्रोताओं के बैठने की एवं 5000 पाँच हजार से अधिक लोगों के खढजे होकर भजन सुनने की व्यवस्था की गई है । प्रशासन से भी व्यवस्थाओं को बनाने में मदद की अपील की है,जिस पर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने व्यवस्थाओं में सहयोग करने की बात कही है।श्री खाटू श्याम प्रेमियों ने कहा कि इस कार्यक्रम के मुख्य आयोजक करने वाले श्याम,कराने वाले श्याम जी हैं। श्याम भक्तों ने एक शाम खाटू वाले के नाम भजन कार्यक्रम में अधिक से अधिक श्रोताओं से पहुंच कर भजन लाभ लेने का निवेदन किया है ।

महेश्वर में श्री हरिदासजी स्मारक तक पक्की सड़क निर्माण हेतु मध्यप्रदेश शासन द्वारा 80 लाख रु. की स्वीकृति जारी

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, सांसद गजेन्द्र पटेल, महेश्वर विधायक राजकुमार मेव का कोटिश आभार

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

महेश्वर- मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा महेश्वर में सिर्वी समाज के धर्मगुरु आईपंथ के 10-वे दीवान श्री हरिदासजी के स्मारक (समाधि स्थल) तक पहुँच मार्ग की स्वीकृति से समाज जनों में हर्ष व्याप्त है। बहुत ही खुशी का विषय हैं कि महेश्वर में नर्मदा किनारे धर्मगुरु दीवान श्री हरिदासजी के समाधि स्थल पर इष्टदेवी श्री आईमाता के मंदिर का निर्माण कार्य भी चल रहा हैं। इस स्थान पर जाने के लिये जिस कच्ची सड़क हेतु समाज ने संघर्ष किया था, अब इसी कच्ची सड़क पर आरसीसी सीमेंट-कंक्रीट की डबल पक्की सड़क बनेगी। इस हेतु शासन के मंत्रालय स्तर से स्वीकृति जारी हो गई है। हरिदासजी स्मारक ट्रस्ट महेश्वर तथा मध्यप्रदेश सिर्वी महासभा के सभी वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारियों द्वारा इस दिशा में विगत लंबे समय से संयुक्त एवं समन्वित प्रयास किए जा रहे थे। मध्यप्रदेश शासन के यशस्वी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस कार्य पर मोहर लगाते हुए 79 लाख 97वें हजार रु. (80 लाख रु) की राशि स्वीकृत की हैं। यह कार्य हमारे खरगोन-बड़वानी क्षेत्र के मिलनसार एवं उर्जावान सांसद गजेन्द्र पटेल तथा महेश्वर के लोकप्रिय विधायक एवं जननेता राजकुमार मेव के अथक प्रयासों से संपन्न हुआ है। सांसद पटेल ने विगत माह यहाँ आयोजित 'हरिदासजी पुण्य स्मरण दिवस' के अवसर पर कहा था कि- आईपंथ सनातन हिन्दुत्व को मजबुती प्रदान करता है। हरिदासजी स्मारक प्रदेश एव देश में सामाजिक समरसता का केंद्र बने, इस हेतु इसे आईपंथ के अखिल भारतीय तीर्थ के रूप में विकसित करने के लिए पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। यहाँ होने वाले कार्यों से पर्यावरण एवं भू-संरक्षण भी सुनिश्चित होगा। पूर्व में राज्यसभा सांसद एवं इतिहासविद डॉ.सुमेरसिंह सोलंकी द्वारा भी इस पावन स्थल के सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करते हुए इस प्रकल्प के समग्र विकास हेतु आश्वासन प्राप्त हुआ है।इस आरसीसी सड़क मार्ग के निर्मित हो जाने से मुख्य सड़क से यहाँ तक आने-जाने में सुगमता होगी। आईपंथ के सम्पूर्ण भारतवर्ष के विभिन्न प्रांतो, विशेषकर राजस्थान एवं दक्षिण भारत के राज्यो में निवासरत सिर्वी समाज के श्रद्धालु यहाँ नियमित रूप से आते हैं। साथ ही माँ नर्मदा के परिक्रमावासियों को भी धार्मिक यात्रा में सुगमता होगी। इससे क्षेत्र के विकास को भी गति प्राप्त होगी। सिर्वी समाज की श्रद्धा एवं आस्था के केंद्र पर इस अति महत्वपूर्ण जनहितैषी कार्य की सम्पन्नता के लिये हरिदासजी स्मारक ट्रस्ट महेश्वर एवं मध्यप्रदेश सिर्वी महासभा के सभी वर्तमान तथा पूर्व पदाधिकारियों के साथ वरिष्ठ समाजजनों ने माननीय मुख्यमंत्री मोहन यादव, माननीय सांसद गजेन्द्र पटेल एवं लोकप्रिय विधायक राजकुमार मेव का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए उन्हें कोटि-कोटि धन्यवाद दिया है।

नाले में कछुओं के मृत पाए जाने से मोहल्ले वासियों में नाराजगी

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिले की पुरानी जेल के पास वीरेंद्र वाटिका के नाले में कुछ बड़े कछुए मृत देखे गए । प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उनकी मौत का कारण नाले में लापरवाही के चलते बिजली की लाइन के तार टूट कर नाले में बड़े होने से करंट लगना बताया जा रहा है, वास्तविकता की तो जांच होने पर ही सही कारणों का पता चलेगा। वहीं मोहल्ले वासियों ने बिजली विभाग की उदासीनता पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि बिजली लाइन के टूटे तार प? हुए हैं,जिनसे कोई भी अप्रिय घटना घटित हो सकती है। बिजली विभाग को लाइन के तारो को तुरंत सुधार करना चाहिए एवं नगर पालिका प्रशासन को नालों की साफ सफाई करानी चाहिए।

नगरीय निकायों में तैयार किया जा रहा है भू-जल प्रबंधन प्लान

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । प्रदेश के नगरीय निकायों में भू-जल संरक्षण और प्रबंधन के लिये 33 नगरीय निकायों में भू-जल प्लान तैयार किया जा रहा है। प्रदेश के 24 नगरीय निकाय ऐसे हैं, जिन्होंने भू-जल प्रबंधन प्लान तैयार भी कर लिया है। भू-जल प्रबंधन प्लान में क्षेत्र के जल स्त्रोतों की पहचान कर उनके वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण के उपाय किये जा रहे हैं। इनमें क्षेत्र के बोरवेल, बाव?यां, नदी, तालाब, कुं? आदि शामिल हैं।नगरीय प्रशासन एवं विकास द्वारा अमृत योजना 2.0 के अंतर्गत पिछले दिनों आयोजित कार्यशाला में भू-जल विशेषज्ञों ने तैयार किये गये भू-जल प्रबंधन प्लान पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों को जन-भागीदारी से शहरी क्षेत्रों में पौध-रोपण पर विशेष ध्यान देना होगा। वृक्ष, जल-संरक्षण के उपाय में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। प्रदेश के 418 नगरीय निकायों के प्रतिनिधियों ने भू-जल प्रबंधन प्लान तैयार करने पर गहन विचार-विमर्श किया।

मंडलायुक्त के निर्देश पर उमाशंकर को मात्र 5 दिवस के भीतर मिली मोटराइज्ड ट्राई साइकिल

दिव्यांग उमाशंकर ने सरकार की कल्याणकारी नीतियों को सराहा, रोजगार शुरू करने का किया वादा

अनुज सिंह ठाकुर ब्यूरो रिपोर्ट
पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

ललितपुर।महरौनी तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान आयुक्त, झांसी मंडल झांसी श्री विमल कुमार दुबे के समक्ष फरियादी उमाशंकर, निवासी महरौनी (ललितपुर) जो दिव्यांग हैं, ने मोटराइज्ड ट्राई साइकिल की मांग की, ताकि उसे आवागमन में सहायता हो व जीवन यापन हेतु रोजगार शुरू कर सके। फरियादी की मांग पर आयुक्त महोदय द्वारा उक्त दिव्यांग व्यक्ति को जल्द से जल्द मोटराइज्ड ट्राई

साइकिल उपलब्ध कराने के निर्देश दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी को दिए, जिसके क्रम में आज 24 अक्टूबर गुरुवार को मात्र 5 दिवस के भीतर ही जिलाधिकारी श्री अक्षय त्रिपाठी के निर्देशन में दिव्यांजन उमाशंकर को कलेक्ट्रेट में मोटराइज्ड ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर उमाशंकर ने मंडलायुक्त, जिलाधिकारी सहित सरकार की नीतियों की प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया और मोटराइज्ड ट्राई साइकिल से आजीविका प्रारंभ करने का वादा किया। इस अवसर पर जिला दिव्यांगजन सशस्तीकरण अधिकारी शुभांशु सोनकर उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश शासन के पेंशनरों को केंद्र के समान डी आर दीपावली से पूर्व देने की मांग की है

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

उपरोक्त जानकारी पेंशन कर्मचारी अधिकारी संघ के जिला मंत्रीके सी शर्मा ने कहा हैमध्य प़देश शासन के पेंशनरों को केंद्र के समान डी आर दीपावली से पूर्व देने की मांगमध्य प़देश अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ पत्राचार एवं चर्चा के माध्यम से केंद्र के समान डी आर दिये जाने की मांग कर शासन से केंद्र के दिनांक से दिये जाने की मांग करता आ रहा है।शासन की अनदेखी से पेंशनरों में रोष व्याप्त है।वृदावस्था में वीमारी में अतिरिक्त व्यय हो रहा है आयुष्मान की पात्रता भी नही है ऊपर से मंहगाई के कारण परिजन भी सहयोग करने में असमर्थ है।हम सभी शासन से यह मांग करते है कि लंवित डी आर के भुगतान केआदेश दीपावली से पूर्व करने का कष्ट करे।उपरोक्त जानकारी पेस विज्ञप्ति में जिला मंत्री के सी शर्मा ने प्रेस के माध्यम से बताई

केएम हॉस्पिटल ने पांच दिन में बालक को कोमा से बाहर निकालकर उसे स्वस्थ कर किया

जीवन बूटी बनकर सामने आए केएम हॉस्पिटल के बाल रोग विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक डाक्टर सौरभ सिंह ताल्यान, केएम ने पांच दिन के अंदर कोमा मरीज को किया ठीक

मथुरा। सिर में बुखार चड़ने से 10 वर्षीय बालक नरेन्द्र के हालत इतनी बिगड़ी की वह बेहोश होकर कोमा में चला गया। डाक्टरों ने उसे बचाने की उम्मीद खो दी। ऐसे में संजीवन बूटी बनकर सामने आए केएम हॉस्पिटल के बाल रोग विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक डाक्टर सौरभ सिंह ताल्यान ने बालक का इलाज करते दिया पांच दिन में कोमा से बाहर निकालकर उसे स्वस्थ कर दिया है। बैड पर आया बालक, अपने पैरों से चलकर आज अपने घर चला गया है। औलाद को नई जिंदगी मिलने पर बालक के परिजनों ने केएमयू के कुलाधिपति किशन चौधरी सहित केएम परिवार के चिकित्सक और सदस्यों का आभार जताया है। उन्होंने सभी से आग्रह किया है कि जिंदगी का दूसरा नाम केएम हॉस्पिटल है यहां के चिकित्सक भगवान से कम नहीं है।

विदित रहे कि छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश के मूलनिवासी टीकेश्वर व उनकी पत्नी वृंदावन में ठाकुरजी की पोशाक की ढकेल लगाते है, उनका 10 वर्षीय पुत्र नरेन्द्र को 7 सितम्बर को बुखार आया, नार्मल दवा ली लेकिन बुखार सिर पर चड़ने लगा और वह कोमा में चला गया। उसके परिजन वृंदावन, मथुरा, आगरा के कई अस्पतालों में दिखाने पहुंचे, लेकिन कोई भी डाक्टर उसे कोमा से बाहर नहीं निकाल सका। बेहोशी की

हालत में बैड पर पड़े बालक को देखकर टीकेश्वर उसकी पत्नी अपना धैर्य खोते जा रहे थे। इसी बीच टीकेश्वर के पड़ौसी ने केएम अस्पताल ले जाने की सलाह दी। मरीज के परिजन केएम अस्पताल पहुंचे और उन्होंने पीडियाट्रिक डिपार्टमेंट के डा. सौरभ सिंह ताल्यान से मिले। डा. ताल्यान ने जांच के बाद इलाज शुरू कर दिया जिसमें मेडीसन, न्यूरो विभाग के चिकित्सक, पीजी डाक्टर, नर्सिंग स्टाफ अन्य के अथक प्रयासों से मरीज की तबियत में सुधार हुआ वह मात्र पांच दिन के अंदर कोमा से बाहर आ गया। आज वह खाना खा रहा है बोल रहा है और वह स्वस्थ है। स्वस्थ हुए बालक नरेन्द्र ने बताया कि वह वृंदावन के बांकेबिहारी सनातनी स्कूल का छात्र है, उसे बुखार आया था उसके बाद मुझे कुछ भी याद नहीं है, क्या हुआ था मेरे साथ। आज मैं ठीक हूं। बाल रोग विशेषज्ञ डा. सौरभ सिंह ताल्यान ने बताया कि बालक के सिर में बुखार चड़ गया था, जिससे दिमाग की नस कमजोर और ब्लाक होने से मरीज कोमा में चला गया था, मरीज 25 दिन तीन हॉस्पिटलों में भर्ती रहा, लेकिन स्वस्थ न होने पर मां-बाप का धैर्य जबाव दे चुका था। यहां पहुंचने पर केएम परिवार की चिकित्सकीय टीम के अथक प्रयासों का परिणाम है कि नीरज स्वस्थ है। बेहोशी की हालत में भर्ती मरीज को खाना नली द्वारा दिया जाता था, अन्य प्रक्रिया भी नली द्वारा बच्चे को दी गई थी। आज उसको छुट्टी दे दी गई है। 10 वर्षीय बालक को स्वस्थ करने में केएम के अन्य चिकित्सकों में डा. मोनिका, डा. अर्चिता जैन, डा. रीतिका, डा. आस्था, डा. मिनाल, डा. निहारिका का विशेष सहयोग रहा। इस सफलता के लिए केएमयू के कुलाधिपति किशन चौधरी, विवि के वाइस चांसलर डा. डीडी गुप्ता, प्रो. वाइस चांसलर डा. शरद अग्रवाल, मेडीकल प्रचार्य डा. पीएन भिसे, एडीशनल मेडीकल सुप्रीडेंट डा. आरपी गुप्ता ने पीडियाट्रिक डिपार्टमेंट सहित समस्त चिकित्सकों बधाई दी है।

तहसील स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का सम्मान समारोह हुआ सम्पन्न

मथुरा के गांव पैगाँव में श्री नागाजी महाराज युवा मण्डल के द्वारा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन दिनाँक 13/10/2024 को किया गया था जिसका परिणाम व सम्मान समारोह हुआ था जिसमें प्रथम स्थान अभय यादव पुत्र श्री भरती सिंह निवासी. जटवारी व द्वितीय स्थान सक्षम पुत्र श्री संतोष शर्मा निवासी. पैगांव तथा भरत शर्मा पुत्र श्री मनोज कुमार ने तृतीय स्थान तथा इनके अलावा 33 छात्र/ छात्राओं ने भी अच्छे अंक प्राप्त कर अपने गाँव व अपने घर वालों का नाम रोशन किया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रकाश तंवर ने बताया कि ऐसे कार्य वर्ष में होते रहने चाहिए । और मैं इस टीम को तहेदिल से धन्यवाद देना चाहता हूं कि ये टीम बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूक कर रहे हैं । इनके लिए मैं सदैव तैयार रहूंगा । कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि चौधरी सुजाता सिंह प्रदेश महासचिव (महिला प्रकोष्ठ) राधिका प्रदेश उपाध्यक्ष राष्ट्रीय लोकदल ने कहा कि इस टीम को शिक्षा से संबंधित कोई भी सहायता की जरूरत पड़े तो हम इनके साथ सदैव खड़े रहेंगे और शिक्षा के कार्यक्रमों को बढ़ावा देते रहेंगे । कार्यक्रम के अध्यक्ष देव रावत ने बताया कि यह हमारी तृतीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता थी जिसमें लगभग 14 से 15 गांव के क़रीब 600 छात्र छात्राओं ने परीक्षा में भाग लिया जिसमें से 33 बच्चों को सम्मानित किया गया । गौरव चौधरी निःशुल्क लाइब्रेरी तूमौला व सुखवीर गुर्जर निःशुल्क लाइब्रेरी खुर्शी ने कहा कि हम सबका लक्ष्य हर घर शिक्षा पहुंचाना है ऐसे कार्यक्रमों को हम सब मिलकर के बढ़ावा देंगे तो हम दावे के साथ कहते हैं कि पूरे क्षेत्र में एक भी छात्र/छात्रा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा । कार्यक्रम में चंद्रपाल शर्मा, यदुवीर रावत, मेघश्याम , महेन्द्र सिंह कबड्डी कोच, दीपक रावत, विनोद, लक्ष्मीनारायण शर्मा प्रबंधक गौरव चौधरी, सुखवीर, हरफूल रावत संतोष शर्मा, मनोज कुमार अमित, मनोज आदि लोग मौजूद रहे ।

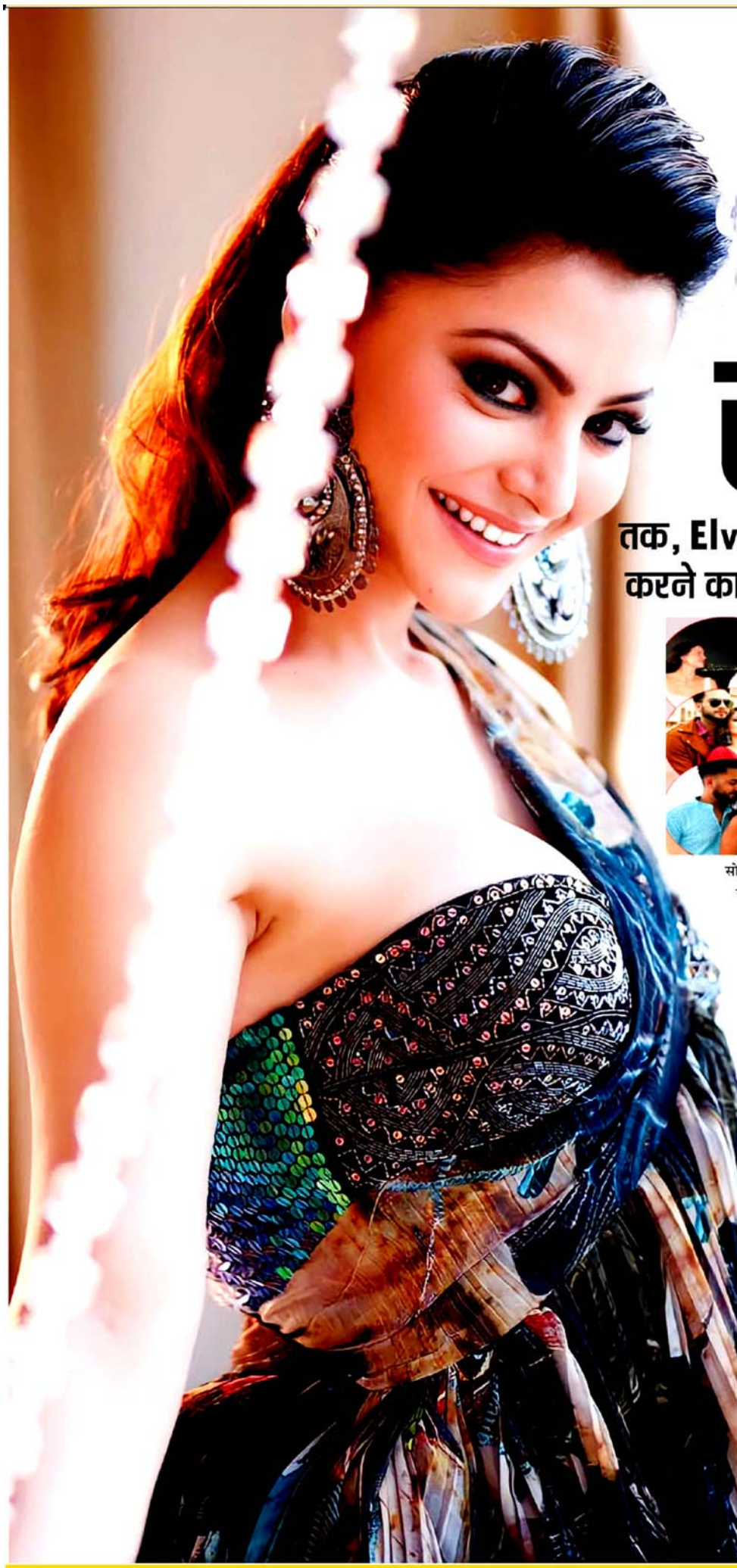

नताशा से उर्वशी रौतेला तक, Elvish Yadav के साथ क्यों काम करने का मौका तलाश रही हैं एक्ट्रेसेस?

सोशल मीडिया के इस जमाने में आपके पास पैसे कितने हैं, इस बात से ज्यादा ये देखा जाने लगा है कि आपके पास फॉलोअर्स कितने हैं. वहीं इस मामले में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के मजे ही मजे हैं. अगर आप भी सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं, तो आप ये बात अच्छे से जानते होंगे कि कई यूट्यूबर्स और इन्फ्लुएंसर्स ऐसे हैं, जिनके फॉलोअर्स बड़े-बड़े बॉलीवुड स्टार्स से काफी ज्यादा हैं. ऐसा ही एक नाम एल्विश यादव का है.इन दिनों एल्विश यादव को हार्दिक पांड्या की एक्स वाइफ नताशा के साथ देखा जा रहा है. दोनों के डेटिंग की खबरें भी सामने आ रही है, लेकिन इनका साथ आना किसी प्रोजेक्ट का हिस्सा भी हो सकता है. ऐसे में अब सवाल ये है कि एल्विश न तो कोई बड़े एक्टर हैं और न ही कोई सुपरस्टार. फिर भी टीवी और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर उनके साथ काम करने के लिए कतार में रहते हैं. यकीन न आए तो एल्विश के पिछले कुछ गाने ही देख लीजिए.

उर्वशी से शहनाज तक ने एल्विश के साथ किया काम

नताशा से पहले एल्विश यादव के साथ शहनाज गिल, ईशा गुप्ता, माहिरा शर्मा, ईशा मालविया, तेजस्वी प्रकाश और उर्वशी रौतेला जैसी एक्ट्रेस भी नजर आ चुकी हैं. लेकिन अब सवाल ये है कि एल्विश यादव ही क्यों ? अब इसका एक सही जवाब ये भी हो सकता है कि एल्विश की फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी है, जिसके चलते वो बिग बॉस ओटीटी 2 भी जीत गए थे. एल्विश ने बिग बॉस का सालों से चला रहा रिकॉर्ड तक तोड़ दिया था.

एल्विश यादव की फैन फॉलोइंग है बड़ी वजह

बिग बॉस के इतिहास में कभी कोई वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट विनर नहीं बना था, लेकिन एल्विश यादव ने ये भी कर दिखाया था. एल्विश शो में वाइल्ड कार्ड बनकर पहुंचे थे और बाहर विनर बनकर और हाथ में ट्रॉफी लेकर निकले थे. इस बात से ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि लोगों के बीच उनका कितना क्रेज है. एल्विश की फैन फॉलोइंग की वजह से ही एक्ट्रेसेस उनके साथ काम करने के लिए राजी हो जाती हैं. एल्विश अब एक बड़ा नाम बन चुके हैं. हालांकि उनके काम के कम और उनके विवादों के चर्चे ज्यादा होते हैं.

शादी के 6 साल बाद प्रिंस नरूला बने पिता, युविका ने बेटी को दिया जन्म

बॉलीवुड एक्ट्रेस नीना गुप्ता आज घर-घर में पॉपुलर हो चुकी हैं. उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में बहुत स्ट्रगल किया और बाद में सक्सेस हासिल की. आज भी एक्ट्रेस फिल्में कर रही हैं और उन्हें इंडस्ट्री में आए हुए 4 दशक का समय हो चुका है. एक्ट्रेस सालों पहले अपने बॉयफ्रेंड के साथ दिल्ली से मुंबई आई थीं. उनका सपना तो एक एक्ट्रेस बनने का था लेकिन सर्वाइवल के लिए उन्होंने पृथ्वी थिएटर में वेटर की नौकरी शुरू कर दी थी. नीना ने हाल ही में बताया था कि जिस बॉयफ्रेंड के साथ वे आई थीं उसका क्या हुआ और किस वजह से उनका रिश्ता टूटा.नीना गुप्ता ने हालिया इंटरव्यू में बताया- मैं अपने बॉयफ्रेंड के साथ दिल्ली से मुंबई आई थी. हम दोनों के पास काम नहीं था इसलिए मैंने पृथ्वी कैफे में नौकरी शुरू कर दी थी. मैं शाम के वक्त वहां पर भरता बनाती थी और उसके बदले में मालिक मुझे मुफ्त में डिनर देता था. ब्रेक के दौरान में आइरिश कॉफी बनाता था. इसके बाद हम लोग घूमा करते थे और इस बात के इंतजार में रहते थे कि कोई प्रोड्यूसर या फिर डायरेक्टर हमें स्पॉट कर ले और कोई ना कोई काम दिला दे.

इस वजह से नहीं की शादी

एक्ट्रेस नीना गुप्ता ने अपने बॉयफ्रेंड के साथ का किस्सा शेयर करते हुए कहा- एक दिन मेरा बॉयफ्रेंड आया और उसे देख कर मुझे ऐसा लग रहा था कि जैसे वो पिए हुए है. उसने मुझसे पूछा कि क्या मैं दिल्ली से मुंबई सिर्फ एक वेटर बनकर रहने के लिए आई हूं. वो मुझपर खूब चिल्लाया. मैं कड़ी मेहनत कर रही थी और वो मुझसे सवाल कर रहा था. लेकिन मुझपर चिल्लाने के बाद भी वो मुझसे पैसे मांगता था. भगवान का लाख-लाख शुक्र है कि मैंने उससे कभी शादी नहीं की.

कभी किसी से पैसे उधार नहीं लेतीं नीना

नीना ने बताया कि उनके बॉयफ्रेंड संग उनके रिश्ते के खत्म होने की वजह भी यही थी. इसलिए वे कभी भी किसी से उधार नहीं लेती हैं. क्योंकि इसके बाद चाहें आप जितना भी एक्सप्लेन करिए, सामने वाला बस आपके पैसे का इंतजार करता रह जाता है. इसलिए हमेशा पैसों के मामले में सतर्क रहना चाहिए और इसे किसी भी तरह के रिश्ते के बीच में नहीं लाना चाहिए.

ऋतिक रोशन और जूनियर NTR के साथ दिखेंगे शाहरुख खान, थिएटर्स में तूफान आने वाला है!

Hrithik Roshan और Junior NTR की फिल्म War 2 को लेकर रोज कुछ न कुछ खुलासा होता रहता है. पिछले दिनों खबर आई थी कि इसमें एक तगड़ा चेज सीक्वेंस होगा. ऋतिक और जूनियर NTR दोनों इसमें नजर आएंगे. इसमें खतरनाक एक्शन होगा. अब खबर आई है कि फिल्म में 'पठान' की भी एंट्री होगी. यानी 'वॉर 2' में शाहरुख खान का कैमियो भी हो सकता है.YRF स्पाई यूनिवर्स को आदित्य चोपड़ा ग्रैंड बनाना चाहते हैं. वो सभी कहानियों को जोड़ना चाहते हैं. 'पठान' से ये सिलसिला शुरू हुआ था. इसमें सलमान खान के कैरेक्टर 'टाइगर' का कैमियो था. फिर 'टाइगर 3' में ऋतिक के कबीर वाले कैरेक्टर को पोस्ट क्रेडिट सीन में टीज किया गया. कुछ दिन पहले खबर आई थी कि आलिया भट्ट वाली फिल्म 'अल्फा' में शाहरुख का कैमियो होगा. अब ऐसा ही 'वॉर 2' को लेकर भी कहा जा रहा है.

शाहरुख खान होंगे 'वॉर 2' का हिस्सा!

दैनिक भास्कर में छपी रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में शाहरुख खान 'पठान' वाले रोल में दिखेंगे. लेकिन शाहरुख वाला सीक्वेंस अभी शूट नहीं किया जाएगा. इसे अगले साल शूट किया जाएगा. फिलहाल YRF दो फिल्मों को एक साथ शूट कर रहा है. पहली है आलिया भट्ट की 'अल्फा' और दूसरी है मोहित सूरी की फिल्म. इसके अलावा बीच-बीच में डेट्स के मुताबिक 'वॉर 2' भी शूट होती रहती है.

यहीं से बनेगी 'पठान 2' की राह

ऐसे में शाहरुख के साथ काम करना एक बड़ा टास्क हो जाएगा. इसलिए पहले पूरी 'वॉर 2' शूट कर ली जाएगी, इसके बाद शाहरुख का सीक्वेंस शूट होगा. 'टाइगर 3' में भी ऐसा ही हुआ था. फिल्म की रिलीज से डेढ़ हफ्ते पहले ही कबीर(ऋतिक) वाला सीन शूट किया गया था. शाहरुख के 'वॉर 2' वाले सीक्वेंस से ही 'पठान 2' को टीज किया जाएगा. शायद यहीं से 'पठान 2' की कहानी शुरू होगी.

जूनियर NTR की ग्रैंड एंट्री

बहरहाल, 'वॉर 2' में जूनियर NTR की तगड़ी एंट्री प्लान की जा रही है. इसमें सोमालिया का बैकड्रॉप होगा. ऐसी खबर है कि जूनियर NTR फिल्म में विलेन बनेंगे. पर कुछ जगह ये भी कहा जा रहा है कि वो और ऋतिक दोस्त की भूमिका में हो सकते हैं. संभव है बाद में जूनियर NTR का कैरेक्टर नेगेटिव शेड ले. कियारा आडवाणी भी फिल्म में होंगी. वो फिल्म में रॉ एजेंट बनेंगी.

प्रियंका चोपड़ा के पिता के किरदार में दिखेंगे वरुण धवन, इस एक वीडियो से रोल का खुलासा हो गया

डायरेक्टर राज और डीके 'सिटाडेल- हनी बनी' नाम की वेब सीरीज बना रहे हैं. ये जो वीडियो सामने आया है उसमें नादिया यानी प्रियंका अपनी बेटी को ये बता रही हैं कि उसके नाना एक बहुत ही मजबूत इंसान हैं. आगे एक आदमी राही गंभीर को आतंकवादी कहता है, जिसपर नादिया कहती है कि वो मेरे पिता हैं. उसके आगे वरुण धवन एक्शन अवतार में नजर आते हैं.

साल 2023 में आई इसी नाम की सीरीज का हिंदी वर्जन है, जिसमें रिचर्ड मैडन और प्रियंका चोपड़ा नजर आए थे. हिंदी भाषा में इस सीरीज में समांथा रुथ प्रभु और वरुण धवन दिखने वाले हैं. लंबे समय से इस सीरीज की चर्चा हो रही है. अब इस सीरीज से वरुण के कैरेक्टर को लेकर खुलासा हो गया है.वरुण धवन ने सोशल मीडिया पर इस सीरीज से जुड़ा एक वीडियो शेयर किया है, जिसे देख मालूम होता है कि वो प्रियंका चोपड़ा के पिता के किरदार में दिखने वाले हैं. वीडियो देख ऐसा लग रहा है कि ये सीरीज 2023 में आई 'सिटाडेल' का प्रीक्वल होगी. यानी उसमें जो कहानी दिखाई गई थी, इसमें उसके पीछे की कहानी दिखाई जाएगी. उस सीरीज में प्रियंका के किरदार का नाम नादिया सिंह था. वहीं उनके पिता का नाम राही गंभीर बताया गया था, जिनकी कहानी अब इस हिंदी वर्जन में देखने को मिलेगी.

एक्शन अवतार में दिखे वरुण धवन

कब रिलीज होगी 'सिटाडेल'?

15 अक्टूबर को 'सिटाडेल' का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसमें भी वरुण का धांसू अवतार देखने को मिला. इस सीरीज को रिलीज होने में अब बस कुछ ही समय बचा है. 7 नवंबर को ये सीरीज प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी. इस सीरीज का 'द फैमिली मैन' से भी कयास होने की बात कही जा रही है, क्योंकि ट्रेलर रिलीज डेट की घोषणा फैमिली मैन के श्रीकांत (मनोज बाजपेयी) और जेके (शारिब हाशमी) ने ही की थी. वहीं इसके डायरेक्टर भी राज और डीके ही हैं.

स्काउट का उददेश्य पवित्रः नरेन्द्र सिंह- स्वयं भी जुड़े, परिवार को भी स्काउट से जोड़ेः

- स्काउट की संभागीय रैली का रंगारंग समापन हुआ

ग्वालियर। मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा है कि अच्छा नागरिक तभी बना जा सकता है जब किसी उददेश्य के लिए समर्पित होकर जीवन में अंगीकार करे। उन्होंने कहा कि यही जीवन की सार्थकता है। क्योंकि स्काउट का उददेश्य देश व समाजहित में पवित्र हैं। यह बात मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने गुरूवार को 21 से 25 तक चल रहे भारत स्काउट गाइड के संभागीय शिविर के समापन अवसर पर उपस्थित स्काउट एवं गाइडस को संबोधित करते हुये कही।

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि स्काउट में काम करने का उददेश्य केवल काम करना ही नहीं है। उसमें अभ्यास के साथ ही मन से उसे अंगीकार करना भी अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए सभी को मन से तैयार रहना चाहिये। श्री तोमर ने सीमा पर सैनिकों की डयूटी के बारे में कहा कि यदि सैनिक सोचे कि वह अपनी डयूटी के दौरान वाटसएप देखता रहे तो क्या वह कभी युद्ध जीत पाएगा। वह अपने परिवार बच्चों आदि के बारे में सोचे तो क्या वह युद्ध में जीत संभव होगी। उन्होंने कहा कि उसका एक ही उददेश्य होता है कि चाहे उसका जीवन देश के लिए समर्पित हो जाए लेकिन दुश्मन कैसे भी जिंदा नहीं बचे। इसके लिए भले ही उसका जीवन क्यों ना देश पर समर्पित हो जाए। उन्होंने कहा कि आज हम जो तिरंगा देखते है यह आजादी हमें कोई ऐसे ही नहीं मिली है। आज तिरंगा हमारी आन वान शान का प्रतीक इसलिए है क्योंकि कई लोगों ने फांसी के फंदे को चूमते हुये अपना जीवन देश सेवा में न्यौछावर कर दिया है। तभी आज हम आजाद हिन्दुस्तान में सांस ले पा रहे है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति योग्य तब होता है, ज बवह कठिन प्रक्रिया से गुजरता है। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन में हजारों लोग होते है लेकिन उंगलियों में गिनने वाले एक दो ही निकलते है। इससे पहले राज्य स्काउट चीफ कमिश्नर पूर्व मंत्री पारस जैन ने कहा कि उन्होंने निर्णय लिया है कि किसी भी संभाग की रैली होगी वहां पर वह स्वयं अवश्य जायेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन मं आवश्यक है उसी के साथ सभी का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यहां की जमीन पर निर्माण कार्य कराने के लिए हमें सभी जन प्रतिनिधियों से साथ लेना चाहिये। उन्होंने प्रधानमंत्री की स्वच्छता का जिक्र करते हुये उसके लिए आगे भी काम करने का संकल्प दोहराया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह स्वयं व अपने परिवार को स्काउट से जोड़े, जिससे

वह देश व समाजहित के लिये सदैव मुख्यधारा में सक्रिय रहे।

इस अवसर पर जिला चीफ कमिश्नर बृजेन्द्र सिंह जादौन ने कहा कि भारत स्काउट गाइड ग्वालियर की टीम ने संभागीय रैली का आयोजन कर अंचल में स्काउट आंदोलन को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि इसके लिये उनके सभी सहयोगी टीम बधाई की पात्र है। राज्य उपाध्यक्ष तरूण गोयल ने भी अपने उदबोधन में स्काउट गाइड बच्चों को उनके भविष्य के लिये शुभकामनायें दी और कहा कि हम संस्कार और सेवा का इतिहास बना रहे हैं। भारत स्काउट गाइड के राज्य आयुक्त रोवर राजीव जैन ने कहा कि स्काउट गाइड ने पूरे प्रदेश में विभिन्न रैलियों के माध्यम से समाज व देश में विभिन्न सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुददों को भी हाथ में लिया है। वहीं राज्य सचिव राजेश प्रसाद मिश्रा ने स्काउट गाइड गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। संचालन एएसओसी शंकर सिंह ने किया। इस मौके पर राज्य संगठन आयुक्त बीएल शर्मा, सहायक जिला कमिश्नर विनय अग्रवाल, सचिव सुरेन्द्र सिंह भदौरिया, उपाध्यक्ष आरडी सिंघल, सुधीर अग्रवाल, शिवनारायण गुप्ता, रेशु राजावत आदि मंचासीन थे।

विभिन्न साहसिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हुई-स्काउट गाइड रैली के गुरूवार को चौथे दिन समापन कार्यक्रम के मौके पर स्काउट गाइड ने विभिन्न साहसिक व व हैरतअंगेज कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। जिसे देखकर मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर व राज्य चीफ कमिश्नर पारस जैन भी अचंभित रह गये। वहीं गाइड की छात्राओं ने भी विभिन्न देश भक्तिपूर्ण गानों पर सामूहिक नृत्य भी प्रस्तुत किया।

यह रहे शामिल-कार्यक्रम में राजेन्द्र सिंह ठाकुर, सुरेश चन्द्र शर्मा, आदेश द्विवेदी, साधना अग्निहोत्री, सविता भाटिया, संगीता आर्य, राकेश आर्य, आशा सिंह, प्रताप माहौर, अतिबल सिंह, सुजीत जैन, एसडी उपाध्याय, प्रदीप सिंह जादौन, राजेश कतरौलिया, निधि मुदगल, प्रीतम गोयल, नरेन्द्र पिप्पल, मुकेश कुशवाह आदि भी प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

कलेक्टर एवं एसपी ने लिया रेलवे स्टेशन परिसर का जायजा

ग्वालियर । शहर में अगले कुछ दिनों में विशिष्ट एवं अतिविशिष्ट व्यक्तियों के आगमन के दौरान ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर सुरक्षित एवं सुगम आवागमन व्यवस्था बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने गुरुवार को ग्वालियर रेलवे स्टेशन परिसर का भ्रमण किया। इस अवसर पर रेलवे के अधिकारी भी मौजूद थे। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने रेलवे के अधिकारियों से कहा कि वे रेलवे पुलिस व जिला पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारियों से सन्वय कर ऐसी व्यवस्था बनाएँ, जिससे विशिष्ट एवं अतिविशिष्ट व्यक्तियों का आवागमन सुगमता से हो सके। साथ ही प्रतिदिन स्टेशन पर आने ड्ड जाने वाले यात्रियों को भी कोई कठिनाई न हो। ज्ञात हो अगले कुछ दिनों के दौरान केदारपुर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का कार्यक्रम प्रस्तावित है, जिसमें अतिविशिष्ट व्यक्तियों का आगमन होगा। साथ ही देश भर से स्वयंसेवक भाग लेने आयेंगे। कलेक्टर एवं एसपी के ग्वालियर रेलवे स्टेशन भ्रमण के दौरान अपर कलेक्टर कुमार सत्यम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीकृष्ण लालचंदानी, निगम के अपर आयुक्त मुनीष सिकरवार सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

मोतीझील से अटल द्वार तक निर्माणाधीन सड़क में बाधा बन रहे अतिक्रमण हटाए जायेंगे

ग्वालियर । मोतीझील से अटल द्वार पुरानी छावनी चौराहा तक निर्माणाधीन फोर लेन सड़क के निर्माण में कुछ स्थानों पर बाधा बन रहे अतिक्रमण हटाए जायेंगे, जिससे इस सड़क का शेष काम जल्द से जल्द पूरा हो सके। इस सिलसिले में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर गई संयुक्त टीम ने सड़क पर लोगों को समझाया कि जिन लोगों ने अतिक्रमण किया है वे स्वयं अतिक्रमण हटा लें। इसके लिये उन्हें कुछ दिनों की मोहलत भी दी गई है। एसडीएम ग्वालियर सिटी अतुल सिंह के नेतृत्व में यह टीम गुरुवार को मोतीझील क्षेत्र में पहुँची थी। एसडीएम अतुल सिंह ने बताया कि मोतीझील के समीप लगभग 500 मीटर लम्बाई में अतिक्रमण की वजह से सड़क का काम आगे नहीं बड़ पा रहा है। इन अतिक्रमणों को हटाने के लिये नगर निगम द्वारा पूर्व में संबंधित लोगो को नोटिस दिए जा चुके हैं। एक बार उन्हें फिर से समझाया गया है कि वे स्वयं अतिक्रमण हटा लें, अन्यथा प्रशासन द्वारा विधिवत रूप से कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाए जायेंगे। एसडीएम ने बताया कि इस सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया जा रहा है। गुरुवार को अतिक्रमण हटाने के सलिसिले में मोतीझील क्षेत्र में पहुँची संयुक्त टीम में अपर आयुक्त नगर निगम, तहसीलदार तथा राजस्व, लोक निर्माण एवं नगर निगम के अधिकारी शामिल थे।

मानव अधिकारो से जुड़े पेंडिंग मामलों पर शीघ्र कार्यवाही के सम्बंध में शिकायत प्रकोष्ठ ग्वालियर में बैठक की: अशोक गोयल

मानव अधिकारो से जुड़े मामलों को शीघ्र कार्यवाही अवश्य- यह बात मानव अधिकार आयोग मध्यप्रदेश के अशोक गोयल पुलिस महानिरीक्षक -सेकेट्री भोपाल ने कही मानव अधिकार अयोग शिकायत प्रकोष्ठ कार्यालय के माध्यम से अति शीघ्र मामलों को चिन्हित कर तुरंत कार्यवाही के लिए भोपाल कार्यालय भेजें,ताकि उन सभी मामलों पर संज्ञान लिया जा सके वे ग्वालियर शासकीय कार्यक्रम के तहत गुरुवार को ग्वालियर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग शिकायत प्रकोष्ठ कार्यालय ग्वालियर में आए यहां उन्होंने मानव अधिकार आयोग मित्रों के साथ मानव अधिकार जागरूकता पर बैठक की साथ मे आवेदनों पर अति शीघ्र निर्णय लेकर भोपाल भेजे उन्होंने कार्यालय में आने वाली सभी शिकायतों को मानव अधिकारों से जुड़ी समस्याओं को भी देखा। एवं दिसा निर्देश दिए जागरूकता कार्यक्रम करने के लिए निर्देश दिए इस अवसर पर मानव अधिकार आयोग मित्र डॉ. दीपक शर्मा, जज अवधेश कुमार श्रीवास्तव, अधिवक्ता गायत्री सुर्वे, अंशुमान शर्मा , आलोक बंधु श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने प्रतिष्ठानों का किया औचक निरीक्षण

ग्वालियर । जिले में खाद्य पदार्थों में मिलावट को रोकने के लिए ग्वालियर शहर के साथ-साथ जिले के अन्य कस्बों एवं दूर-दराज के गाँवों तक लगातार कार्रवाई की जा रही है। दीपावली त्यौहान को ध्यान में रखकर इस मुहिम को और तेजी दी गई है। गुरुवार को राजस्व, खाद्य विभाग, नापतौल एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने डबरा के विभिन्न प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। इन नमूनो को जाँच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा जायेगा। गुरुवार को राजस्व, खाद्य विभाग, नापतौल एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम द्वारा डबरा में ठाकुर बाबा रोड़ स्थित मोनिका गृह उद्योग से रिफाइंड तेल, हल्दी पाउडर, मिक्सचर नमकीन एवं लाल मिर्च पाउडर के नमूने लिए गए। इसी तरह ठाकुर बाबा रोड़ स्थित ओम फूड प्रोडक्ट प्रो. कमल के यहाँ मैदा और टोस्ट के नमूने लिए गए। ठाकुर बाबा रोड़ स्थित दिशा नमकीन का पंजीयन एक्सपायर पाया गया एवं तौल कांटों का सत्यापन नहीं पाया गया। झांसी रोड़ स्थित दीपक फूड प्रोडक्ट से टोस्ट और ब्रेड के नमूने लिए गए। टोस्ट के 850 पैकेट आवश्यक घोषणायें न होने के कारण जब्त किए गए। साथ ही झांसी रोड़ स्थित विनायक फूड ऑयल पर सुरक्षा मापदण्डों के तहत इलेक्ट्रोनिक तौल कांटों का सत्यापन नहीं पाया गया एवं सरसों के तेल में पॉम ऑयल की मिलावट के मद्देनजर नमूने लिए गए। इन सभी प्रतिष्ठानों पर अग्निशमन यंत्र भी नहीं पाए गए। कार्रवाई के लिये गई संयुक्त टीम में तहसीलदार विनीत गोयल, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी डबरा संदीप पाण्डेय, नापतौल निरीक्षक अफजल खान व खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री सतीश शर्मा शामिल थे।

यातायात सुगम करने भोपाल को एक और आरओबी की सौगात, मंत्री सारंग ने किया स्थल निरीक्षण

भोपाल सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को भोपाल रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर-1 के पास द्वारका नगर कोच फैक्ट्री से छोला स्थित खेड़ापति हनुमान मंदिर के पास के क्षेत्र को सीधे लाभान्वित करने वाले आरओबी निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। यह भोपाल क्षेत्र के लिए एक बड़ी सौगात साबित होगा। आरओबी का लाभ संपूर्ण भोपाल के रहवासियों को होगा। कनेक्टिविटी के कारण करोंद, बैरसिया, स्टेशन, छोला, अरेरा कॉलोनी, भेल, मीनाल सहित निशातपुरा क्षेत्र के सभी रहवासियों को इसका लाभ मिलेगा।

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि यह उनका ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसके बन जाने से लगभग 15 किलोमीटर का राउंड बचेगा। यह क्षेत्र की जनता के लिए बड़ी सौगात होगी। जल्द ही इसका भूमि-पूजन किया जायेगा। मंत्री श्री सारंग ने रेलवे, पीडब्ल्यूडी, नगर निगम, पुलिस और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आरओबी के प्लॉन की जानकारी लेकर निश्चित समयावधि में कार्य पूरा करने के निर्देश दिये। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि यह आरओबी भोपाल रेलवे स्टेशन के समीप द्वारका नगर से होते हुए छोला स्थित खेड़ापति हनुमान मंदिर के पास उतरेगा। इसकी लम्बाई लगभग 610 मीटर और चौड़ाई 9.5 मीटर होगी। उन्होंने कहा कि 6 रेलवे ट्रेक को पार कर गुजरने वाला यह भोपाल का पहला आरओबी होगा, जो देश के लिये इंजीनियरिंग का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करेगा। इसके निर्माण से लगभग 15 लाख की आबादी लाभान्वित होगी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि लगभग 90 करोड़ की लागत से आरओबी का निर्माण रेलवे द्वारा करवाया जा रहा है।

प्रथम चरण की राशि 72 करोड़ शासन द्वारा रेलवे को जारी कर दी गयी है। इसके टेंडर और वर्क-ऑर्डर हो चुके हैं। यह ब्रिज 18 माह में बनकर तैयार होगा।

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि इसके निर्माण से पुराने और नये भोपाल के साथ विदिशा, बैरसिया सहित आसपास के क्षेत्रों की कनेक्टिविटी सुदृढ़ होगी। इससे क्षेत्रवासियों का आवागमन सुगम होगा। उन्होंने बताया कि अभी भोपाल प्लेटफार्म नम्बर-1 से छोला की तरफ जाने वाली छोटी गाड़ियों को पुलिया से होकर गुजरना पड़ता है। वहीं बड़ी गाड़ियों को स्टेशन प्लेटफार्म नम्बर-1 से छोला की ओर जाने के लिये भारत टॉकीज आरओबी से लम्बा चक्कर लगाना पड़ता है। आरओबी निर्माण से 15 किलोमीटर का लम्बा चक्कर बचेगा। इसके बन जाने से ट्रैफिक से राहत मिलेगी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि भोपाल स्टेशन से एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों को अभी पुराने भोपाल के ट्रैफिक से होकर गुजरना पड़ता है। इसमें काफी समय लगता है। वहीं इस आरओबी के बन जाने से यात्री कम समय में भोपाल स्टेशन प्लेटफार्म नम्बर-1 से सीधे आरओबी का उपयोग करते हुए छोला-करोंद मार्ग से होते हुए एयरपोर्ट पहुँच सकेंगे।

निशातपुरा स्टेशन से यात्रा करने वालों को मिलेगा लाभ-मंत्री श्री सारंग ने बताया कि कई ट्रेन बैरागढ़ से सीधे निशातपुरा होते हुए निकलती हैं। अभी यात्रियों को सही कनेक्टिविटी नहीं होने के कारण अपनी ट्रेन पकड़ने के लिये बैरागढ़ जाना पड़ता है। आरओबी के बन जाने से यात्री बैरागढ़ नहीं जाते हुए सीधे निशातपुरा से ही अपनी ट्रेन पकड़ सकेंगे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि यह आरओबी भोपाल की हर तरह की ट्रैफिक स्थिति में परिवर्तन लायेगा। स्टेशन से इसकी कनेक्टिविटी से हर क्षेत्र के लोग लाभान्वित होंगे। नरेला क्षेत्र में विकास चरम पर है। विभिन्न आरओबी के माध्यम से सुगम आवागमन को सुव्यवस्थित करने का यह प्रयास है।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478